राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्षः 11 | अंकः 200 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, मंगलवार, 01 फ़रवरी 2022 | मूल्यः 1.50/-

खास खबर

महाराष्ट्र सरकार को भांग की खेती की अनुमति देनी चाहिए : भाजपा नेता

औरंगाबाद। महाराष्ट्र सरकार द्वारा सुपरमार्केट और वॉक-इन स्टोर्स में वाइन की बिक्री की अनुमति दिए जाने के फैसले पर तंज कसते हुए भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के सांसद प्रताप पाटिल चिखीलर ने कहा है कि राज्य सरकार को किसानों को भांग की खेती करने के लिए भी अनुमति देनी चाहिए।

भाजपा नेता ने रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि वाइन की बिक्री के संबंध में महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले से राज्य बर्बाद हो जाएगा।

आईएएस उषा शर्मा बनीं राजस्थान की नई मुख्य सचिव

जयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की वरिष्ठ अधिकारी उषा शर्मा को राजस्थान का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार को यहां शासन सचिवालय में निवर्तमान मुख्य सचिव निरंजन आर्य से कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि सभी जनसमस्याओं का निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि महिलाओं से संबंधित सभी प्रमुख योजनाओं का क्रियान्वयन सुचारू रूप से हो।

फेसबुक पोस्ट को लेकर व्यक्ति की हत्या, हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

अहमदाबाद। कई हिंदू संगठनों ने अहमदाबाद के धंधुका कस्बे में 25 जनवरी को एक युवक की हत्या के विरोध में सोमवार को पूरे गुजरात में प्रदर्शन किया। युवक की हत्या छह जनवरी को एक फेसबुक पोस्ट कथित तौर पर साझा करने को लेकर की गई थी जिसके बारे में कुछ लोगों का आरोप है कि उससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। पोस्ट को लेकर किशन बोलिया की दो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में दो मौलवियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जांच गुजरात एटीएस ने अपने हाथ में ले ली।

भारत, रूस संयुक्त राष्ट्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और रूस सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने वैश्विक निकाय से संबंधित कई मुद्दों पर व्यापक बातचीत की। रूस फरवरी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, दोनों पक्षों ने दिल्ली में एक बैठक में संयुक्त राष्ट्र से संबंधित मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा की।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) रीनत संधू ने किया, जबकि रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मामलों के उप मंत्री राजदूत सर्गेई वासिलीविच वर्शिनिन ने किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे और संबंधित घटनाक्रम के मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों पक्ष बहुपक्षीय मंचों पर आपसी हित के मुद्दों पर सहयोग को और बढ़ाने पर सहमत हुए। वर्शिनिन ने विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला से भी मुलाकात की और उन्हें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आगामी अध्यक्षता के दौरान रूसी प्राथमिकताओं से अवगत कराया।

सेना की जरूरत का सामान देश में ही बने

दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कोविंद ने कहा...

■ नई दिल्ली

सरकार की नीतियों से रक्षा क्षेत्र में देश की आत्म-निर्भरता का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि हमारा लक्ष्य है कि सेनाओं की जरूरत का सामान भारत में ही विकसित हो तथा भारत में ही निर्मित हो। संसद के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों की सुयक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कोविंद ने यह भी कहा कि देश में अंतरिक्ष को निजी क्षेत्र के लिए खोलकर संभावनाओं का अनंत आकाश उपलब्ध करा दिया गया है और पिछले साल भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इन-स्पेस का गठन ऐसा ही एक प्रमुख कदम है। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सरकार

देश की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है। सरकार की नीतियों की वजह से रक्षा क्षेत्र में, विशेषकर रक्षा उत्पादन में, देश की आत्म-निर्भरता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रही ड्रोन प्रौद्योगिकी और इससे जुड़ी संभावनाओं को लेकर भी सरकार सजग और सक्रिय है। कोविंद ने कहा, इस दिशा में सरकार ने सरलीकृत ड्रोन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है, और ड्रोन व ड्रोन-कलपुर्ज़ों के देश में निर्माण के लिए उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भी शुरू की है। इससे देश को भविष्य की इस महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। कोविंद ने कहा कि 2020-21 में सैन्य बलों के आधुनिकीकरण के लिए जो भी स्वीकृतियां प्रदान की गईं, उनमें 87 प्रतिशत उत्पादों में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गई। इसी प्रकार 2020-21 में 98 प्रतिशत उपकरणों से जुड़े अनुबंधों में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता दी गई है। हमारी सेनाओं ने 209 ऐसे साजो-सामान की सूची भी जारी की है जिन्हें अब विदेश से नहीं खरीदा जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण की सराहना की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

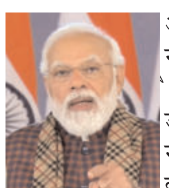

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को संसद में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण की सराहना की और कहा कि यह भारत के विकास की बात करता है और देश को आने वाले समय में नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए 130 करोड़ भारतीयों के सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। बजट सत्र की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने 50 मिनट के संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार की नीतियों ने समाज के गरीब और वंचित वर्गों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने देश के एक अरब से अधिक नागरिकों की सामूहिक उपलब्धियों के रूप में सरकार की कोविड-19 प्रतिक्रिया, कृषि उपज की रिकॉर्ड खरीद और आंतरिक सुरक्षा में सुधार पर प्रकाश डाला। मोदी ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति जी का एक विस्तृत और गहरी दृष्टि वाला अभिभाषण, जो भारत की विकास छलांग के बारे में बात करता है और आने वाले समय में देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के 130 करोड़ भारतीयों के सामूहिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कश्मीर में भीषण ठंड से लोगों को राहत

श्रीनगर। कश्मीर में 40 दिन के चिल्लई कलां का दौर समाप्त होने के साथ ही घाटी में अधिकतर स्थानों पर लोगों को ठंड से राहत मिली और तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि रविवार की रात को घाटी में तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। कश्मीर में 40 दिनों के चिल्लई कलां का दौर 21 दिसंबर से शुरू हुआ था। कड़ाके की ठंड पड़ती है और तापमान में भी काफी गिरावट दर्ज की जाती है, जिससे यहां की प्रसिद्ध डल झील के साथ-साथ घाटी के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति लाइन सहित जलाशय जम जाते हैं।

भाजपा तमिलनाडु में शहरी निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी

चेन्नई। भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने सोमवार को घोषणा की कि वह शहरी निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी और कहा कि राज्य में अखिल भारतीय अन्नाद्रमुक के साथ उसका गठबंधन बरकरार रहेगा। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को नगर निकाय चुनाव लड़ने के वास्ते टिकट देकर उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा बड़ी संख्या में सीटों पर विजई होगी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन बरकरार है।

उप्र में पांच साल पहले दबंग और दंगाई ही कानून थे : मोदी

▶▶ मोदी ने यूपी चुनाव की पहली डिजिटल रैली में सपा पर साधा निशाना

■ लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की पहली डिजिटल रैली में पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हम यूपी में बदलाव के लिए खुद को खपा रहे हैं जबकि वो आपसे बदला लेने की ठानकर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले दबंग और दंगाई ही कानून थे, उनका कहा शासन का आदेश था लेकिन पांच साल में योगी सरकार प्रदेश को इन हालातों से बाहर निकाला है और यह कोई मामूली काम नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पांच जिलों बागपत, शामली, गौतमबुद्ध नगर, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर से जुड़े मतदाताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित किया। मोदी ने कहा, मैं देखकर खुश हूं कि उत्तर प्रदेश के लोग दंगाई सोच रखने वालों से बहुत सावधान, बहुत सतर्क हैं, प्रदेश की जनता पुराने दिन वापस नहीं चाहती है। इन बदला लेने वालों के बयानों को देखकर यूपी के लोगों ने ठान लिया है कि इस बार पहले से ज्यादा मतों से भाजपा को विजई बनाना है।

यूपी को ऐसी सरकार चाहिए जो अपनी विरासत पर गर्व करे

प्रधानमंत्री ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का बिना नाम लिए बगैर उन पर तंज कसते हुए कहा, जो देश के अपने टीके पर विश्वास नहीं करते, वैज्ञानिकों पर भरोसा नहीं करते क्या वे यूपी के युवाओं की प्रतिभा का सम्मान कर सकते हैं? यूपी को ऐसी सरकार चाहिए जो अपनी विरासत पर गर्व करे और ज्ञान-विज्ञान और आधुनिकता को बढ़ाए।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पांच जिलों की 21 विधानसभा क्षेत्रों की 98 मंडल इकाइयों (भाजपा की प्रखंड स्तरीय संगठनात्मक इकाई) पर सीधे प्रसारित होने वाले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, हमारा काम और उनकी कारस्तानी यह सब देखकर इस बार भी यूपी की जनता भाजपा को भरपूर आशीर्वाद देने वाली है और इसमें भी हमारे फर्स्ट हैंड वोटर (जो पहली बार मतदान करने जा रहे) भाजपा की सरकार बनाने के लिए उत्साह और उमंग से भरे हैं। वे खुलकर भाजपा के साथ हैं।

युवा भी समझ रहे हैं कि अब फिर से यूपी को गुंडे माफियाओं के हवाले नहीं करना है। मतदाताओं का अभिनंदन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिमी उप्र की इसी धरती ने 1857 की क्रांति में देश को एकजुटता का संदेश दिया था। कमल के फूल और रोटी ने देश को बांटने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

पांच साल पहले व्यापारी लुटता, बेटी घर से बाहर निकलने में घबराती थी

पूर्ववर्ती सपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कोई भूल नही सकता कि पांच साल पहले यूपी को लेकर क्या चर्चा होती थी। पांच साल पहले दबंग और दंगाई ही कानून थे। उनका कहा शासन का आदेश था। पांच साल पहले व्यापारी लुटता, बेटी घर से बाहर निकलने में घबराती थी और माफिया सरकारी संरक्षण में खुलेआम घूमते थे।

एएसजी रुपिंदर सिंह सूरी का निधन

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) रुपिंदर सिंह सूरी का सोमवार सुबह यहां निधन हो गया। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूरी को जून 2020 में एएसजी नियुक्त किया गया था। उनके परिवार में पत्नी गुरविंदर सूरी और बेटियां सुरुचि और सिमर हैं और दोनों वकील हैं। सूरी को 2009 में वरिष्ठ अधिवक्ता बनाया गया था और वह उच्चतम न्यायालय बार संघ और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे। वह करीब 15 वर्षों तक पंजाब के लिए स्थाई अधिवक्ता रहे।

दिल्ली में बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को उन किसानों को मुआवजा दिया, जिनकी फसल पिछले साल अक्टूबर में बेमौसम बारिश के कारण बर्बाद हो गई थी। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जनवरी में सरसों की फसल को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण जल्द ही शुरु किया जाएगा ताकि मुआवजा तय किया जा सके।

केजरीवाल ने कहा कि कोई देश या राज्य अगर किसानों का सम्मान और उनकी मदद नहीं करता है तो वह समृद्ध नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब में अभी तक फसलों को हुए नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा नहीं दिया गया है।

जरा हट के... बग्गा

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि : नड्डा

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति कोविंद का अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का देश के विकास की दूरदृष्टि की रूपरेखा है।

अभिभाषण में सरकार के विकास कार्यों के सभी आयामों का विस्तार से उल्लेख करने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद करते हुए नड्डा ने कहा, यह एक साल का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि है। उन्होंने कहा, यह भारत के पुनर्निर्माण की रूप रेखा है, जिसमें स्पष्ट है कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में हम कैसा भारतवर्ष चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में एक सशक्त भारत के निर्माण की ओर तेज गति से चल रही है। नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने अंत्योदय की भावना से कोविड प्रबंधन, तीव्र गति से टीकाकरण, गरीबों को मुफ्त राशन, किसानों के बेहतर भविष्य, महिला सशक्तिकरण एवं देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम किया है।

उन्होंने कहा, आज भारत में सामाजिक न्याय के साथ सभी को समान अवसर मिल रहा है।

केंद्र के हलफनामा दाखिल नहीं करने पर न्यायालय ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इस बात पर नाराजगी जाहिर कि केंद्र ने अभी तक उस याचिका पर अपना जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है, जिसमें राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान अधिनियम 2004 की धारा 2 (एफ) की वैधता को चुनौती दी गई है।न्यायालय ने सरकार को 7,500 रुपए का अर्थदंड जमा करने की सूरत में जवाबी हलफनामा दाखिल करने का एक और अवसर दिया है। वैकल्पिक रूप में, याचिका में केंद्र को राज्य स्तर पर अल्पसंख्यक की पहचान के लिए दिशा-निर्देश दिए ।

सफल जलवायु कार्रवाई के लिए जलवायु वित्तपोषण अहम बना रहेगा: आर्थिक समीक्षा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सोमवार को संसद में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा के अनुसार विकासशील देशों की सफल जलवायु संबंधी कार्वाइयों के लिए जलवायु वित्तपोषण महत्वपूर्ण बना रहेगा। आम बजट से एक दिन पहले लोकसभा में पेश 2021-22 की आर्थिक समीक्षा के अनुसार, 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की भारत की घोषणा के बाद जलवायु कार्वाई पर व्यापक जोर रहेगा। भारत समेत विकासशील देशों द्वारा सफल जलवायु कार्वाई के लिए जलवायु वित्तपोषण अहम रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2021 में ग्लासगो में पक्षों के 26वें सम्मेलन (सीओपी-26) में दिए गए राष्ट्रीय वक्तव्य के तहत कार्बन उत्सर्जन में और कटौती के संबंध में 2030 तक अर्जित किए जाने वाले महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की घोषणा की थी।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार नीति आयोग के एसडीजी (सतत विकास लक्ष्यों) भारत सूचकांक पर भारत का प्रदर्शन 2019-20 में 60 के समग्र स्कोर से बढ़कर 2020-21 में 66 हो गया है। इसमें कहा गया है कि ए आंकड़े एसडीजी प्राप्त करने की दिशा में भारत की यात्रा में प्रगति को दर्शाते हैं।महामारी का प्रकोप होने के बावजूद भारत ने नीति आयोग एसडीजी भारत सूचकांक द्वारा मापे गए 17 एसडीजी में से आठ पर अच्छा प्रदर्शन किया। लक्ष्य 8 (उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक विकास), जलीय जीवों की सुरक्षा और लक्ष्य 17 (लक्ष्यों के लिए भागीदारी) हैं।

गोडसे के समर्थन में नारेबाजी पर हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं पर केस

■ इंदौर

महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर उनके हत्यारे नाथूराम गोडसे के समर्थन में इंदौर में प्रदर्शन और नारेबाजी किए जाने पर अखिल भारत हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर रविवार को हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने शहर के वीर सावरकर चौराहे पर गोडसे के समर्थन में प्रदर्शन और नारेबाजी की थी। जिलाधिकारी के एक पुराने प्रतिबंधात्मक आदेश के हवाले से बताया कि जिले के सार्वजनिक स्थानों पर प्रशासन की पूर्व अनुमति के बिना रैली, जुलूस और धरना-प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। इस आदेश के उल्लंघन पर हिन्दू महासभा के प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं पर भारतीय दंड विधान की धारा 188 (किसी सरकारी अधिकारी का आदेश नहीं मानना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस बीच, घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें हिन्दू महासभा के कार्यकर्ता वीर सावरकर चौराहे पर तैनात पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में गोडसे के पक्ष में प्रदर्शन और नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं।

अखिलेश यादव के खिलाफ केंद्रीय मंत्री बघेल ने भाजपा से किया नामांकन

मैनपुरी। केंद्रीय मंत्री प्रोफेसर एस. पी. सिंह बघेल ने सोमवार को मैनपुरी जिले के हाई प्रोफाइल करहल विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इसी सीट से उम्मीदवार हैं। प्रोफेसर बघेल मौजूदा समय में आगरा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं और केंद्र सरकार में कानून और न्याय राज्य मंत्री हैं। बघेल ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना पर्चा भरा। बघेल सैन्य विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

विशेषज्ञों की राय

केंद्रीय बजट में हरित व्यय कोष अलग रखा जाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आगामी केंद्रीय बजट पेश किए जाने से एक दिन पहले, पर्यावरण विशेषज्ञों ने सोमवार को आह्वान किया कि हरित व्यय के तहत बजटीय आवंटन किया जाए ताकि यह दिखाया जा सके कि ग्लासगो में सीओपी26 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए भारत गंभीर है।इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत के जलवायु लक्ष्यों के लिए सिर्फ इसी दशक में ऊर्जा भंडारण में करीब 3.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक अप्रैल, 2022 से शुरू हो रहे वित्त वर्ष का बजट मंगलवार को लोकसभा में पेश करेंगी। क्लाइमेट पॉलिसी इनीशिएटिव के भारत निदेशक ध्रुव पुरकायस्थ ने कहा कि केंद्रीय बजट इस बार बजट में हरित व्यय मद की घोषणा करके ध्यान आकृष्ट करने का अवसर हो सकता है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक व्यय आवंटन विभिन्न क्षेत्रों में कई कार्यक्रमों से जुड़ा होता है, जिनमें से कुछ को हरित के रूप में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह संकेत देगा कि भारत सरकार ग्लासगो में प्रधानमंत्री द्वारा जताई गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए गंभीर है।

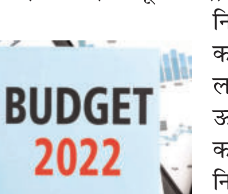

वहीं वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) इंडिया में जलवायु कार्यक्रम निदेशक उलका केलकर ने कहा कि भारत के जलवायु लक्ष्यों को सिर्फ इसी दशक में ऊर्जा भंडारण में करीब 3.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि बैटरी भंडारण में निवेश को आकर्षित करने व गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए बजट प्रोत्साहन और जोखिम की गारंटी महत्वपूर्ण होगी।डब्ल्यूआरआई से ही जुड़े एक अन्य विशेषज्ञ ए नंबी अप्पादुरई ने कहा कि सरकार को दीर्घकालिक जलवायु लचीलापन और अनुकूलन मार्ग विकसित करने पर जोर देना चाहिए तथा इसके लिए बजट में पर्याप्त धनराशि आवंटित की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि बजट 2022-23 में स्थानीय स्तर पर संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त संसाधनों को अलग रखना चाहिए, खासकर प्रकृति-आधारित समाधानों को बढ़ाने, जमीनी स्तर की क्षमताओं का निर्माण करने तथा राज्य व स्थानीय सरकारों के जरिए काम करने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे निवेश से देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं, लोगों, उनकी आजीविका और सकल घरेलू उत्पाद को भी कई और दीर्घकालिक लाभ होंगे।

नेपाल के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन 26 मई से होगा शुरू

काठमांडू। नेपाल के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन मई में शुरू हो जाएगा। नेपाल के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री प्रेम आले ने भैरहवा में निर्माणाधीन हवाई अड्डे का निरीक्षण करते हुए बताया कि 26 मई से गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीबीआईए) पर सभी अंतरराष्ट्रीय विमान उड़ान भर सकेंगे और उतर सकेंगे।

नेपाल के हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमान में अगर कोई तकनीकी दिक्कत आती है, तो आपात स्थिति में हवाई जहाज को उतारने के लिए उसे काठमांडू की ओर नहीं ले जाना होगा। अभी, आपात स्थिति में विमान उतारने के लिए उसे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) लौटना पड़ता है।

जीबीआईए पर विमान सेवा शुरू होने के बाद आपात स्थिति में विमान उतारने के लिए, उड़ानों को भारत की ओर या काठमांडू हवाई अड्डे की ओर नहीं जाना पड़ेगा।

थाईलैंड के 'एरोनॉटिकल रेडियो' (एयरोथाई) की एक विशेषज्ञ टीम यांत्रिक परीक्षण उड़ान की तैयारी के लिए नेपाल पहुंच गई है। वह यह सत्यापित करेगी कि नया हवाई अड्डा तकनीकी रूप से ठीक है या नहीं।

अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी परीक्षण संबंधी सभी काम एक महीने के अंदर पूरा किया जाएगा।

मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा, ''बुद्ध जयंती के अवसर पर हवाई अड्डे का संचालन शुरू करने के लिए एयरोथाई विशेषज्ञों की एक टीम काम कर रही है।''

विश्व में कोरोना से 56.62 लाख से अधिक लोगों की मौत

वाशिंगटन । विश्व में कोरोना वायरस महामारी से अब तक 37.42 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए है जबकि इसके संक्रमण से 56.62 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। वहीं दुनिया भर में अब तक 9.96 अरब से ज्यादा वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 374,279,678 हो गयी है और मृतकों के आंकड़े बढ़कर 56.62,611 हो गए हैं।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के साथ अमेरिका शीर्ष पर है, जहां इस महामारी से अभी तक 7.43 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,84,223 लोग काल के गाल में समा चुके हैं।

भारत इस महामारी के संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर है, जहां पिछले 24 घंटों में शनिवार सुबह तक कोविड संक्रमण के दो लाख 09 हजार 918 नये मरीज सामने आये हैं। देश के कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 18 लाख 31 हजार 268 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 4.43 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 15.77 प्रतिशत हो गयी है।अभी तक कुल तीन करोड़ 89 लाख 76 हजार 122 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 94.37 प्रतिशत है। वहीं इस दौरान 959 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 4,95,050 हो गया है। देश में इस समय मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है।

संक्रमण के मामले में ब्राजील तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कोरोना वायरस की जद में अभी तक ढाई करोड़ से अधिक लोग आ चुके है और यह वायरस अभी तक 6,27,124 लोगों की जान ले चुका है।

फ्रांस संक्रमण के मामले में चौथे पायदान पर है। देश में अभी तक अभी तक करीब 1.78 करोड़ से ज्यादा लोग इस जानलेवा वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और अब तक 1,31,576 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना संक्रमण के मामले में ब्रिटेन पांचवें स्थान पर है, जहां अभी तक करीब 1.65 करोड़ लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके है जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,56,222 तक पहुंच गया है।

तुर्की ने कोरोना संक्रमण के मामले में रूस को पीछे छोड़ दिया है और यह छठे पायदान पर है, जहां अभी तक करीब 1,15,26,621 लोग संक्रमित हुए हैं और इस महामारी से 87,234 लोगों की जान जा चुकी है।

रूस कोरोना संक्रमण के मामले में सातवें पायदान पर खिसक गया है। देश में इस महामारी से 11547333 लोग प्रभावित हो चुके हैं और अब तक 3,24,060 लोग जान गंवा चुके हैं। मृतकों के मामले में रूस चौथे स्थान पर है।

ब्राजील में कोरोना के 1,34,175 नए मामले

ब्रासीलिया। ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 1,34,175 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर ढाई करोड़ के पार पहुंच गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस अवधि में महामारी से 330 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 6,26,854 के करीब पहुंच गया है। ब्राजील में कोरोना वायरस होने वाली मौतों के मामले में विश्व में दूसरे नवंबर पर तथा संक्रमितों के मामले में तीसरे स्थान पर है ।

तेज रफ्तार वाहन ने कई गाड़ियों को टक्कर मारते हुए 9 लोगों को रौंदा, सभी की मौत, 15 से ज्यादा घायल

नॉर्थ लास वेगास (अमेरिका) । अमेरिका के नेवादा राज्य में एक वाहन ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गयी और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है।

पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वाहन के चालक ने नशे की हालत में लाल बत्ती पार की, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। लास वेगास पुलिस ने बताया कि शनिवार को हुई दुर्घटना में मारे गए लोगों में वाहन का चालक और उसमें सवार यात्री शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चालक और आठ अन्य मृतकों की पहचान के संबंध में क्लार्क काउंटी कोरोनर का कार्यालय जानकारी देगा।

नॉर्थ लास वेगास पुलिस के अनुसार, दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां एक की मौत हो गयी तथा एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है।

राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने बताया कि वह नॉर्थ लास वेगास पुलिस के साथ जांच में समन्वय कर रहा है। इससे पहले 10 जनवरी को लास वेगास के दक्षिण में छह वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गयी थी।

पश्चिमी जर्मनी में गश्त पर निकले दो पुलिस कर्मियों की गोली मारकर हत्या

बर्लिन। पश्चिमी जर्मनी में सोमवार को तड़के नियमित गश्त पर निकले दो पुलिस अधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

कैसरस्लौउतेन पुलिस ने एक बयान में बताया कि घटना सोमवार को सुबह चार बजकर करीब 20 मिनट पर कुसेल के पास वाहनों की जांच के दौरान हुई।

उन्होंने कहा कि हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के पास उनके संबंध में कोई जानकारी नहीं है कि वे किस गाड़ी में आए थे या वे किस दिशा में भागे।

पुलिस ने कुसल क्षेत्र में चालकों को किसी के लिए भी वाहन ना रोकने का आह्वान किया और आगाह किया कि कम से कम एक संदिग्ध के पास हथियार हैं।

नाबालिग के यौन शोषण के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 15 माह की सजा

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 2019 में एक विमान में अपने पास बैठे एक नाबालिग लड़के का यौन शोषण करने के आरोप में 15 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका के न्याय विभाग की ओर से शुक्रवार को जारी किए गए बयान के अनुसार, जिला न्यायाधीश नैन्सी ई. ब्रासेल ने मिनियापोलिस के रहने वाले नीरज चोपड़ा को बोस्टन से मिनियापोलिस की उड़ान के दौरान विमान में एक लड़के का यौन शोषण करने के आरोप में सजा सुनाई। तीन दिन चली सुनवाई के बाद पिछले साल जुलाई में चोपड़ा को दोषी ठहराया गया था।

अदालत के दस्तावेज के अनुसार, चोपड़ा ने अप्रैल 2019 में बोस्टन से मिनियापोलिस जाने वाले 'जेट ब्लू' विमान में पास की सीट पर बैठे 16 वर्षीय लड़के का यौन शोषण किया था।

उत्तरी यूरोप में बर्फीले तूफान का कहर, चार लोगों की मौत

हेलसिंकी। उत्तरी यूरोप में इस सप्ताहांत में आए एक भीषण बर्फीले तूफान के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। तूफान के कारण कई मकान और कारें क्षतिग्रस्त हो गयीं, कुछ पुलों को बंद कर दिया गया और हजारों घरों की बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गयी।

इस बर्फीले तूफान को मलिक नाम दिया गया है और रविवार को यह नॉर्डिक क्षेत्र की ओर बढ़ गया। इसके परिणामस्वरूप डेनमार्क, फिनलैंड, नॉर्वे और स्वीडन में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश और बर्फबारी भी हुई।

तूफान मलिक ब्रिटेन से आने के बाद शनिवार देर रात नॉर्डिक क्षेत्र और उत्तरी जर्मनी पहुंचा, जहां इसने संपत्ति और परिवहन के साधनों को भारी क्षति पहुंचाई। इस बर्फीले तूफान के कारण स्कॉटलैंड बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

ब्रिटेन में तूफान के कारण पेड़ गिरने से उत्तरी हिस्से में स्थित स्टैफोर्डशायर में नौ साल का एक बच्चा और 60 साल की महिला की जान चली गई।

स्कॉटलैंड में तेज हवाओं के कारण यातायात बाधित हो गया तथा हजारों मकानों में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई।

डेनमार्क में तूफान की वजह से भारी बारिश हुई और शनिवार को कई पुलों को अस्थायी तौर पर बंद करना पड़ा। यहां तेज हवा की वजह से 78 साल की एक बुजुर्ग महिला गिर कर घायल हो गई और उसकी मौत हो गई।

जर्मनी में तूफान की वजह से एक बिलबोर्ड गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई।

यूएई ने यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी मिसाइल को बीच में ही रोका

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सोमवार तड़के दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया और नष्ट कर दिया। यह मिसाइल ऐसे समय पर दागी गई, जब इज़राइल के राष्ट्रपति आइजक हरजोग देश की यात्रा पर हैं।

यूएई पर हाल के हफ्तों में हुआ यह ऐसा तीसरा हमला है।

यूएई की सरकारी एजेंसी 'डब्ल्यूएएम' ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, ''हमले से कोई नुकसान नहीं हुआ है, क्योंकि नष्ट की गई बैलिस्टिक मिसाइल के टुकड़े आबादी वाले क्षेत्रों के बाहर गिरे।''

देश की नागरिक हवाई यातायात नियंत्रण एजेंसी ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात में हवाई यात्रा पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ा, जहां से अमीरात और एतिहाद के लंबी दूरी के विमान उड़ान भरते हैं।

पहले ही, देश के शीर्ष अभियोजक ने धमकी दी है कि जो लोग इस तरह की घटना की तस्वीरें साझा करेंगे, उन्हें यूएई में आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

यमन के अल-जॉफ प्रांत में भी पिछले सप्ताह इसी तरह एक हमला किया गया था। अल-जॉफ, अबू धाबी के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 1,350 किलोमीटर (840 मील) पर स्थित है।

हूती सेना के प्रवक्ता येहिया सारे ने ट्वीट किया कि विद्रोही आने वाले घंटों में एक हमले की घोषणा करेंगे।

उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। हूती के समाचार चैनल 'अल-मसीरा' ने बाद में बताया कि हवाई हमलों ने यमन की विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी सना को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

इस बीच, इज़राइल के राष्ट्रपति आइजक हरजोग ने अबूधाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान के साथ मुलाकात की। दो घंटे की बातचीत के दौरान हरजोग ने इस क्षेत्र के और देशों से इज़राइल को मान्यता देने की अपील की तथा अबू धाबी पर हाल के हवाई हमलों की निंदा की।

इज़राइल के राष्ट्रपति के कार्यालय के अनुसार हरजोग ने कहा, '' मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हम आपकी सुरक्षा जरूरतों का समर्थन करते हैं और आपकी संप्रभुता पर किसी भी हमले की पूरी तरह से निंदा करते हैं।''

पुर्तगाल में सोशलिस्ट पार्टी की लगातार तीसरी बार आम चुनावों में जीत

लिस्बन । पुर्तगाल की मध्य-वामपंथी सोशलिस्ट पार्टी ने रविवार को लगातार तीसरी बार आम चुनावों में जीत हासिल कर ली है। आधिकारिक नतीजों से यह जानकारी मिली है।

वह ऐसे समय में सत्ता में लौट रही है जब देश कोविड-19 महामारी के बाद अर्थव्यवस्था

के लिए यूरोपीय संघ सहायता के तहत अरबों यूरो निवेश करने की योजना बना रहा है।

कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में वृद्धि के बीच हुए चुनावों में करीब 10 लाख संक्रमित मतदाताओं को मत देने के लिए घरों से बाहर निकलने की अनुमति दी गयी। सोशलिस्ट पार्टी ने संसद की 230 सीटों में से कम से कम 106 पर जीत हासिल की।

अभी तक 98.5 प्रतिशत मतों की गणना हुई है जिसमें सोशलिस्ट पार्टी को 41 प्रतिशत मत मिले हैं जबकि उसके मुख्य विपक्षी दल मध्य-दक्षिणपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को 28 प्रतिशत मत मिले हैं। उसने कम से कम 65 सीटों पर जीत दर्ज की है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या सोशलिस्ट पार्टी 116 सीटों का आंकड़ा जुटा लेगी जिससे वह अपने दम पर विधेयकों को पारित करा सकेगी या इस आंकड़ें से दूर रहेगी और उसे विधेयकों को पारित कराने के लिए छोटे दलों का समर्थन मांगना पड़ेगा।

बाइडन ने अफगानिस्तान में बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिक की रिहाई की अपील की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान में बंधक बनाए गए अमेरिकी नौसेना के पूर्व सैनिक मार्क फ्रेरिच को रिहा करने की अपील की है। मार्क को करीब दो साल पहले बंधक बना लिया गया था।

पूर्व नौसैनिक मार्क फ्रेरिच पेशे से इंजीनियर हैं और अमेरिका के इलिनॉय प्रांत के लोम्बार्ड के रहने वाले हैं। उनका जनवरी 2020 में अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपहरण कर लिया गया था।

ऐसा माना जाता है कि मार्क तालिबान से जुड़े हक्कानी नेटवर्क की हिरासत में हैं।

मार्क के अपहरण की दूसरी बरसी पर सोमवार को बाइडन ने एक वक्तव्य में कहा, अमेरिकी लोगों या किसी भी निर्दोष नागरिक की सुरक्षा को खतरा हमेशा अस्वीकार्य है, और हमारा मानना है कि बंधक बनाना विशेष क्रूरता और कायरता का कार्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ÷तालिबान को मान्यता एवं वैधता प्राप्त करने की अपनी आकांक्षाओं पर किसी भी प्रकार की उम्मीद करने से पहले मार्क को तुरंत रिहा कर देना चाहिए। इसको लेकर कोई बातचीत नहीं होगी।÷ मार्क की बहन चार्लेन काकोरा ने एक बयान जारी कर कहा कि उनका परिवार राष्ट्रपति बाइडन के बयान के लिए आभारी है।

एक प्रशिक्षक यूक्रेन के क्षेत्रीय रक्षा बलों के एक सदस्य को कीव, यूक्रेन के करीब प्रशिक्षित करता है।

उत्तर कोरिया ने अमेरिकी क्षेत्र तक मार करने में सक्षम मिसाइल के परीक्षण की पुष्टि की

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को पुष्टि की कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है, जो अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक मार करने में सक्षम है।

हाल के वर्षों में यह उत्तर कोरिया का सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जतायी है।

आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि रविवार को हुए हवासोंग-12 मिसाइल के परीक्षण का उद्देश्य चुनिंदा रूप से बनायी और तैनात की जा रही इस मिसाइल का मूल्यांकन करना और इसकी सटीकता का सत्यापन करना था।

उसने बताया कि मिसाइल पर लगे कैमरे ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की एक तस्वीर कैद की और रक्षा विज्ञान अकादमी ने इस हथियार प्रणाली की सटीकता, सुरक्षा और प्रभाविता की पुष्टि की।

उत्तर कोरिया ने बताया कि उसने मिसाइल को अपने पूर्वी तट की ओर दागा। उसने अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

दक्षिण कोरिया और जापान के आकलन के अनुसार, मिसाइल अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की।

इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं।

हवासोंग-12 जमीन से जमीन तक मार करने में सक्षम परमाणु संपन्न मिसाइल है। यह अधिकतम 4,500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए यह दूरी पर्याप्त है। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षण किए जाना लंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है।

रविवार के परीक्षण के बाद व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वह ताजा मिसाइल परीक्षण को पिछले कई महीनों से चल रहे उकसावे वाले कृत्यों को बढ़ाने के तौर पर देखते हैं।

प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि बाइडन प्रशासन की उत्तर कोरिया को यह दिखाने के मकसद से आने वाले दिनों में इस ताजा मिसाइल परीक्षण का जवाब देने की योजना है कि वह क्षेत्र में अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

बाइडन प्रशासन ने उत्तर कोरिया से वार्ता बहाल करने की फिर से अपील की है। वहीं, दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने भी रविवार को हुए परीक्षण की निंदा की है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं, भारत के लिए एक 'भविष्य की दृष्टि' : नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक ''भविष्य की दृष्टि'' है।

उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति कोविंद का अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का देश के विकास की दूरदृष्टि की रूपरेखा है।

अभिभाषण में सरकार के विकास कार्यों के सभी आयामों का विस्तार से उल्लेख करने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद करते हुए नड्डा ने कहा, ''यह एक साल का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि है।''

उन्होंने कहा, ''यह भारत के पुनर्निर्माण की रूप रेखा है, जिसमें स्पष्ट है कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में हम कैसा भारतवर्ष चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में एक सशक्त भारत के निर्माण की ओर तेज गति से चल रही है।''

नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने अंत्योदय की भावना से कोविड प्रबंधन, तीव्र गति से टीकाकरण, गरीबों को मुफ्त राशन, किसानों के बेहतर भविष्य, महिला सशक्तिकरण एवं देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम किया है।

उन्होंने कहा, ''आज भारत में सामाजिक न्याय के साथ सभी को समान अवसर मिल रहा है।''

संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि सरकार के अथक प्रयासों से ही भारत एक बार फिर से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास'' के मंत्र पर चलते हुए अगले 25 वर्ष के लिए मजबूत बुनियाद पर तेजी से काम कर रही है और इस बुनियाद का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प एक सर्व-समावेशी, सर्व-हितकारी, सशक्त भारत का निर्माण और देश की आत्म-निर्भरता है।

सफदरजंग व आरएमएल अस्पताल में इलाज कराने वाले मरीजों को बड़ी राहत, ओपीडी व रूटीन सर्जरी होगी सामान्य

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की संक्रमण दर घटकर सात प्रतिशत से कम हो गई है। अस्पतालों में कोरोना के महज करीब 1500 मरीज भर्ती हैं। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार के सफदरजंग अस्पताल प्रशासन ने सोमवार को ओपीडी व रूटीन सर्जरी सामान्य करने का आदेश जारी कर दिया। इसलिए सफदरजंग अस्पताल में मंगलवार से ओपीडी सेवा व रूटीन सर्जरी सामान्य हो जाएगी। आरएमएल अस्पताल में भी मंगलवार से ओपीडी सेवा सामान्य हो जाएगी और बुधवार से रूटीन सर्जरी सामान्य हो जाएगी। उम्मीद है कि एम्स में भी इसी सप्ताह ओपीडी व रूटीन सर्जरी पहले की तरह सामान्य हो जाएगी। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

दरअसल, कोरोना का संक्रमण बढ़ने पर सफदरजंग व आरएमएल अस्पताल में ओपीडी पंजीकरण का समय घटा दिया गया था। इस वजह से सुबह साढ़े आठ बजे से सिर्फ दो घंटे ही ओपीडी में इलाज के लिए मरीजों का पंजीकरण हो पा रहा था। इस वजह से ओपीडी में कम संख्या में मरीज देखे जा रहे थे। इन दोनों अस्पतालों में सर्जरी भी करीब 50 प्रतिशत कम कर दी गई थी। इस वजह से रूटीन सर्जरी नहीं हो पा रही थी। ज्यादातर गंभीर मरीजों की ही सर्जरी हो रही थी।

वहीं, एम्स की ओपीडी में अभी आनलाइन अप्वाइंटमेंट लेकर पहुंचने वाले मरीज ही देखे जा रहे हैं। बगैर अप्वाइंटमेंट के इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीज अभी ओपीडी में नहीं देखे जाते। एम्स प्रशासन ने सात जनवरी को रूटीन सर्जरी व वार्ड में रूटीन में मरीजों को भर्ती लेने का काम बंद कर दिया था। इसलिए एम्स में तीन सप्ताह से अधिक समय से रूटीन सर्जरी बंद है। हालांकि, इमरजेंसी व मध्यम स्तर के गंभीर मरीजों की सर्जरी होती है। इस वजह से मरीजों को इलाज में परेशानी का सामन करना पड़ रहा है।

सफदरजंग अस्पताल प्रशासन का कहना है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की स्वीकृति से ओपीडी सेवा व रूटीन सर्जरी सामान्य करने का आदेश जारी कर दिया है। अब सुबह साढ़े आठ बजे से दिन में 11ः30 बजे तक ओपीडी पंजीकरण हो सकेगा। आरएमएल अस्पताल के निदेशक डा. बीएल शेरवाल ने कहा कि ओपीडी का समय अब सामान्य कर दिया गया है। अभी अस्पताल में प्रतिदिन 10 से 12 मरीजों की सर्जरी हो रही है। सामान्य दिनों में प्रतिदिन करीब 25 मरीजों की सर्जरी होती है। बुधवार से रूटीन सर्जरी भी सामान्य हो जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में एक बार फिर गिरेगा तापमान, फरवरी तक रहेगा ठंड का असर

नई दिल्ली। आनलाइन डेस्क। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को इस बार फरवरी महीने के अंत में ही ठंड से राहत मिलने के आसार हैं। इसकी वजह है कि ला लीना का प्रभाव और इसके चलते एक-एक कर लगातार नए पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना है, जिससे तकरीबन 15 दिन के अंतराल पर दिल्ली-एनसीआर में भी बारिश हो रही है और ठंड में इजाफा हो जाता है। इसी कड़ी में इसी सप्ताह एक नया पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय रहा है, जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर में बुधवार के बाद बृहस्पतिवार और शुक्रवार को बारिश होने के आसार है। इस दौरान 25-30 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी, जिससे ठंड में हल्का इजाफा हो सकता है।

ला नीना के चलते इस साल फरवरी अंत तक पड़ेगी ठंड

मौसम विभाग की मानें तो प्रशांत महासागर में सक्रिय ला नीना का उत्तर भारत में इस बार कुछ ज्यादा ही असर पड़ रहा है। ला लीना की वजह से ही उत्तर भारत में लगातार पश्चिमी विक्षोभ हो रहा है। इससे बेमौसम बारिश, पाला और बर्फबारी हो रही है। इसका असर मैदानी इलाकों में पड़ता है।

वहीं, महेश पालावत, उपाध्यक्ष, स्काइमेट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के लोगों को ठंड इस बार फरवरी के अंत तक परेशान

करेगी। ला नीना की वजह से देश के उत्तरी इलाकों में लगातार बर्फबारी और कुछ दिनों के अंतराल में बारिश हो रही है। माना जा रहा है कि ला लीना का यह प्रभाव आगे भी बना रहेगा, क्योंकि फरवरी के पहले हफ्ते में भी कई इलाकों में बारिश व बर्फबारी की संभावना है। ऐसे में पूरे फरवरी महीने लोगों को हल्की ठंड का सामना करना पड़ेगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, इस सप्ताह बुधवार को दिल्ली-एनसीआर के मौसम का मिजाज बदलेगा, क्योंकि बुधवार को बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार के साथ-साथ दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को भी तेज हवा के साथ हल्की बरसात हो सकती है। इससे न्यूनतम तापमान में इजाफा होगा, जबकि अधिकतम तापमान गिरेगा। ऐसे में दिल्ली में ठंड में इजाफा हो सकता है, लेकिन अगले सप्ताह फिर सामान्य मौसम हो जाएगा।

मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इसके चलते दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी जबकि शुक्रवार दिन में हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान जताया गया है। इस बाबत मौसम विभाग की ओर से बारिश के मद्देनजर यलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

दिल्ली के किसान खुश, सीएम अरविंद केजरीवाल ने बेमौसम बारिश से खराब हुई फसल के किसानों को मुआवजा के चेक सौंपे

नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब में पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर सोमवार को दिल्ली पहुंचे। दिल्ली सचिवालय में केजरीवाल ने उन किसानों में से कुछ को चेक बांटे, जिनकी फसल अक्टूबर में बेमौसम बारिश के कारण खराब हो गई है।

इस मौके पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अक्टूबर में किसानों की फसल खराब हुई थी, आज उन्हें चेक देने का काम शुरू किया गया है। जल्द ही सभी को पैसा मिल जाएगा। दो से तीन लाख रुपये तक के भी किसानों को चेक दिए गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि हम किसानों के साथ खड़े हैं। केजरीवाल ने कहा कि जनवरी में किसानों की सरसों की फसल खराब होने की जानकारी मिली है। उंसके लिए भी सर्वे के आदेश दे दिए हैं। सर्वे के बाद इसका भी मुआवजा दिया जाएगा।

कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय महिलाओं को इंसान नहीं समझतेः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार और उसकी पिटाई की घटना को लेकर सोमवार को कहा कि यह कड़वा सच है कि बहुत सारे देशवासी महिलाओं को इंसान नहीं समझते।

उन्होंने ट्वीट किया, ''20 वर्षीय महिला की निर्ममता से पिटाई किए जाने संबंधी वीडियो हमारे समाज का बहुत वीभत्स चेहरा सामने लाता है। कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय, महिलाओं को इंसान नहीं समझते।''

गौरतलब है कि पूर्वी दिल्ली की एक कॉलोनी में पड़ोसियों द्वारा 20 वर्षीय महिला का कथित तौर पर अपहरण करने, उससे सामूहिक बलात्कार करने और सड़क पर उसे निर्वस्त्र घुमाने का मामला सामने आया है।

पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने पीड़िता की छोटी बहन का भी उत्पीड़न किया था।

पुलिस मामले में पहले ही नौ लोगों, आठ महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार कर चुकी है। पीड़िता के खिलाफ अपराध में कथित भूमिका के लिए तीन नाबालिग लड़कों को भी हिरासत में लिया गया है।

दिल्ली के सीएम का पालम-360 ने किया धन्यवाद, साथ ही पुरानी माँगे भी दोहराई

नई दिल्ली। बीते मानसून सीजन में अत्यधिक बारिश से दिल्ली देहात के किसानों को हुए भारी नुकसान के जायजे के बाद दिल्ली सरकार की ओर से आखिरकार राहत की खबर आई है। अब पिछले सीज़न के लिए दिल्ली सरकार की ओर से किसानों को मुआवजा राशि दी जा रही है। इसके साथ ही दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से ठंड के इस सीजन में लगातार हुई बारिश से किसानों को गेहूं और सरसों की फसलों का जो भारी नुकसान हुआ है, उसके सर्वेक्षण का भी आदेश जारी कर दिया गया है। आपको बता दें कि पालम 360 की ओर से प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी की अगुवाई में दिल्ली देहात के मुद्दों को लेकर और खासकर बेमौसम की बारिश से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान के मद्देनजर दिल्ली के मुख्यमंत्री के सामने लगातार मुआवजे की मांग की गई है और अब जबकि सरकार की ओर से मुआवजे की प्रक्रिया को अमल में लाया जा

रहा है, तब पालम-360 की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद किया गया है।

इस मौके पर प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि हमने दिल्ली के मुख्यमंत्री जी से मुलाकात करके मुआवजे सहित दिल्ली देहात के सभी प्रमुख मुद्दों को उठाया था। हम लगातार दिल्ली देहात के मुद्दों को लेकर संघर्ष करते रहे हैं। हमें खुशी है कि पिछले सीजन में हुए भारी नुकसान के मद्देनजर अब दिल्ली सरकार की ओर से मुआवजा दिया जा रहा है। साथ ही इस सीज़न में हुए भारी नुकसान को देखते हुए दिल्ली सरकार की ओर से सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। हम दिल्ली के सीएम का धन्यवाद करते हुए आग्रह करते हैं कि दिल्ली सरकार की ओर से बीते सीजन के लिए केवल 29 हज़ार हेक्टेयर जमीन पर हुए नुकसान के लिए ही मुआवजा दिया जा रहा है जबकि दिल्ली में कुल 70 हज़ार हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। अतः बाकी जमीनों पर किसानों को हुए नुकसान को भी मुआवजे के दायरे में लाया जाए। भारी बारिश से अभी भी चारों तरफ़ खेतों में पानी भरा हुआ है। वहीं इस ठंड के सीजन में बेमौसम बरसात से गेहूं और सरसों के फसलों की बर्बादी को देखते हुए मुआवजे की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाए। साथ ही बंद मोटेशन को पुनः बहाल करने, धारा-81 और 33 के तहत दर्ज पुराने मामले वापस लेने और जमीन अधिग्रहण पर पड़ोसी राज्यों की तरह मुआवजा राशि बढ़ाए जाने जैसी हमारी प्रमुख मांगों का भी दिल्ली सरकार द्वारा जल्द से जल्द समाधान किया जाए।

भारतीय जेलों में 2020 तक मौत की सजा पाने वाले 400 से अधिक कैदी :एनसीआरबी

नई दिल्ली। देश भर में 2020 तक मौत की सजा पाए 413 कैदी विभिन्न जेलों में बंद थे। केंद्र सरकार के नए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के वार्षिक 'जेल सांख्यिकी भारत 2020' में कहा गया है कि मौत की सजा पाए कुल कैदियों में से 94 को 2020 में फांसी की सजा सुनायी गयी। गृह मंत्रालय के अधीन काम करने वाले एनसीआरबी ने बताया कि 2020 में 29 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''देश में 2020 के दौरान कुल 94 लोगों को मौत की सजा सुनायी गयी। इन 94 कैदियों में से उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 15-15 लोग, पश्चिम बंगाल के 14, बिहार के आठ और झारखंड तथा तमिलनाडु के छह-छह लोग शामिल रहे।''

इसने बताया कि जिन 29 दोषियों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला गया उनमें से 24.1 प्रतिशत कैदी महाराष्ट्र के थे। इसके बाद राजस्थान और तमिलनाडु के क्रमशः पांच और 17.2 प्रतिशत कैदी थे।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''मौत की सजा पाए कुल 413 दोषी (पिछले वर्षों में मृत्युदंड पाने वाले 319 और 2020 में मृत्युदंड पाने वाले 94 कैदियों समेत) विभिन्न जेलों में बंद थे, जो कुल दोषियों का 0.36 प्रतिशत है।''

इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में ऐसे सबसे अधिक 12.8 प्रतिशत (413 में से 53) दोषी पाए गए। इसके बाद महाराष्ट्र में 11.9 फीसदी (49) और मध्य प्रदेश में 9.7 (40) फीसदी दोषी हैं।

नगर निगम का कोई ढलाव बेचा नही जा रहा दुर्गेश पाठक झूठ बोल रहे हैं :भाजपा प्रवक्ता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है की यह दुर्भाग्यपूर्ण है की आम आदमी पार्टी नेता दुर्गेश पाठक अब सफेद झूठ की राजनीति करने लगे हैं। गत दो दिनों से दुर्गेश पाठक भाजपा की एक पार्षद पर अपने क्षेत्र का एक ढलाव परिसर अपने पति को बेचने का आरोप लगा रहे हैं जो पूरी तरह झूठ है। पार्षद ने एक सामाजिक संस्था जिसमे अशोक विहार के प्रतिष्ठित लोगों के साथ उनके पति भी जुड़े हैं को केवल पांच वर्ष के लियें सभी नियमों का पालन कर आवंटित करवाया है।

उत्तरी नगर निगम सदन मे आम आदमी पार्टी पार्षदों की सहमति से पारित प्रस्ताव के अनुसार हाल ही में बंद किये ढलाव परिसर पार्षदों की सिफारिश पर केवल पांच साल उपयोग के लिये गैर व्यवसायिक सामाजिक संस्थाओं को आवंटित किये जा सकते हैं।

इसी नीति के अंतर्गत आम आदमी पार्टी के भी सभी 31 पार्षदों ने भी अपने अपने क्षेत्रों में सिफारिश कर संस्थाओं को आवंटन कराये हैं। इसी तरह भाजपा के एवं कांग्रेस के पार्षदों ने भी आवंटन करवाये हैं।

दिल्ली की जनता जानना चाहती है की यदि आप नेता दुर्गेश पाठक को भाजपा पार्षदों के करवाये आवंटन में भ्रष्टाचार दिखता है तो क्या फिर यह माना जाये की उनकी पार्टी पार्षदों ने जो अपने दल से जुडी संस्थाओं को आवंटन करवाया है उसमे भी भ्रष्टाचार हुआ है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा है की यह साफ है की कोई ढ़लाव परिसर बेचा नही गया है और दुर्गेश पाठक ने झूठा आरोप लगाया है और यदि दुर्गेश पाठक मे थोड़ी भी नैतिकता शेष है तो वह दिल्ली की जनता एवं भाजपा से माफी मांगे।

एनडीएमसी ने सैकड़ों लोगों को दी बड़ी राहत, घर बैठे उठा सकेंगे इन सुविधाओं का लाभ; बिचौलियों से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। व्यापार को सहज और सरल करने के लिए दिल्ली के स्थानीय निकाय तकनीक के माध्यम से सुधारों पर जोर दे रहे हैं। ऐसे में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपनी पट्टे पर दी गई संपत्तियों के शुल्क, लाइसेंस नवनीकरण से लेकर संपत्ति हस्तांतरण तक की सुविधाएं अब आनलाइन होगी। इससे न केवल बिचलिए खत्म होंगे बल्कि नागरिक घर बैठे 24 घंटे संबंधित सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही इस प्रयोग से दिल्ली की ईज आफ डूईंग रैकिंग सुधारने में भी मदद मिलेगी। एनडीएमसी के शुरू किए गए इस प्रयोग से 3500 संपत्तियों के विभिन्न प्रकार के उपयोग के लिए दी जाने वाली सेवाएं आनलाइन होगी।

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के सदस्य कुलजीत चहल ने बताया कि संपदा विभाग ने अपनी पट्टे पर दी गई संपत्तियों के विभिन्न शुल्क जमा करन के लिए (ईआरपी) मॉड्यूल लांच किया । उन्होंने बताया कि इससे संपत्तियों की जानकारी एकत्रित करने से लेकर लाइसेंस शुल्क, रखरखाव, जीएसटी आदि की निर्धारित दरों के अनुसार लाइसेंस शुल्क की गणना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जिससे नागरिकों को सरल, तेज़, जवाबदेह व कुशल तरीके से सेवा प्रदान की जा सके।

नई आबकारी नीति को निगम चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में भाजपा, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी करेंगी वर्चुअल रैली

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति का भाजपा विरोध कर रही है। इसे लेकर पार्टी लगातार आंदोलन कर रही है। आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीति और तेज होगी। पार्टी की कोशिश इसे निगम चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाने की है। पार्टी के बड़े नेता इसे लेकर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी चार फरवरी को वर्चुअल रैली को संबोधित करेंगी।

नगर निगम चुनाव नजदीक है। इसके साथ ही सभी पार्टियां एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करके अपनी चुनावी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं। आम आदमी पार्टी जहां भाजपा शासित निगमों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर अपने पक्ष में चुनाव का माहौल बनाने में लगी हुई है। वहीं, भाजपा नेता आप सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। प्रदूषण की समस्या, बसों की कमी, झुग्गी बस्तियों की समस्या सहित अन्य मुद्दे को लेकर पार्टी के नेता दिल्ली सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इन समस्याओं को उठाने के साथ पार्टी सबसे ज्यादा ध्यान नई आबकारी नीति को लेकर सरकार को घेरने पर ध्यान दे रही है।

पार्टी के रणनीतिकारों को लगता है कि यह आम जनता से जुड़ा मुद्दा है, इसलिए इस पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पार्टी की कोशिश आम जनता विशेषकर महिलाओं को जोड़कर इस मामले को तूल देने की है। इसे ध्यान में रखकर स्मृति ईरानी की वर्चुअल

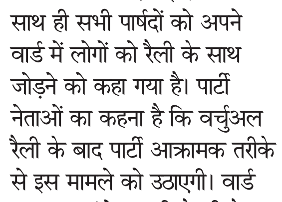

रैली की जा रही है। इसे सफल बनाने के लिए प्रदेश के प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस रैली से शामिल करने की कोशिश है और यह जिम्मेदारी महिला मोर्चा सहित सभी मोर्चों को दी गई है। साथ ही सभी पार्षदों को अपने वार्ड में लोगों को रैली के साथ जोड़ने को कहा गया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि वर्चुअल रैली के बाद पार्टी आक्रामक तरीके से इस मामले को उठाएगी। वार्ड स्तर पर आंदोलन की तैयारी है। पार्टी पिछले माह इस नीति के विरोध में दिल्ली में चक्का जाम करने के साथ ही हस्ताक्षर अभियान चला चुकी है।

दिवंगत पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि देने के बाद लोस की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आर्थिक समीक्षा की प्रति लोकसभा के पटल पर रखे जाने तथा कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद निचले सदन की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन को पूर्व सदस्य जी एस राजहंस, पी टी थामस, डा. महेन्द्र प्रसाद, राजवीर सिंह, शकुंतला देवी, तिलकराज सिंह, ए जी एस राम बाबू, गंगा राम कोल के निधन की जानकारी दी। सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बदहाल स्कूली ट्रांसपोर्टर्स, मदद दे सरकारः एप्सा

- **एप्सा अध्यक्ष ने कहा, स्कूलबंदी से बदहाल कैब चालक**
- **आय का साधन नहीं, कर्ज लेकर भर रहे किश्तें, गाड़ी बेचने को मजबूर**

नई दिल्ली। दिल्ली के स्कूली ट्रांसपोर्टर्स पिछले दो साल से ज्यादा समय से बदहाली में गुजर-बसर कर रहे हैं। स्कूलबंदी के चलते उनके पास काम और आय का साधन नहीं है। वे कर्ज लेकर गाड़ियों की किश्तें भरते रहे हैं और अब तो गाड़ी भी बेचने पर मजबूर हैं। स्कूली ट्रांसपोर्टर्स की बदहाली का हवाला देते हुए एप्सा अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने सरकार से स्कूली ट्रांसपोर्टर्स को मदद देने की मांग की है। ।

अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (एप्सा) के अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने सोमवार को कहा कि दिल्ली के तमाम सरकारी और प्राइवेट स्कूल पिछले दो साल से अधिक समय से बंद पड़े हैं। इसका सीधा असर स्कूलों से जुड़े वेंडर्स पर पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर तो स्कूली ट्रांसपोर्टर्स पर पड़ा है। स्कूल बंद होने से वे पूरी तरह बेरोजगार हो गए हैं। उनके पास गाड़ियों की किश्त भरने तक के पैसे नहीं हैं। वे कर्ज लेकर किश्तें चुका रहे हैं। कई ट्रांसपोर्टर्स तो अब गाड़ियां बेचने तक के लिए मजबूर हैं।

लक्ष्य छाबड़िया ने कहा कि जब सरकार महामारी के दौर में तमाम गरीबों और मजदूरों को मदद मुहैया करा रही है, तो ऐसे वेंडर्स की मदद के लिए भी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की है कि दिल्ली के तमाम स्कूल तुरंत प्रभाव से खोले जाएं ताकि स्कूली ट्रांसपोर्टर्स भुखमरी की कगार तक ना पहुंचें। ऐसा संभव नहीं है तो स्कूली ट्रांसपोर्टर्स को अलग से आर्थिक सहायता मुहैया कराई जाए ताकि वे स्कूल खुलने तक अपने परिवार का गुजर-बसर सही से कर सकें।

विस्मरण के दौर में महापुरुष का स्मरण

गिरीश्वर मिश्र

महात्मा, बापू और राष्ट्रपिता जैसे विशेषणों के साथ स्मरण किये जाने वाले देश के आत्मीय महापुरुष ने बड़ी गहनता के साथ भारत का एक स्वप्न बुना था और उस स्वप्न के आकार लेने कुछ महीनों बाद ही उस स्वप्नदर्शी की आज ही के दिन हत्या कर दी गई थी।

उनका सपना, उनका विचार और कर्म विपुल और संश्लिष्ट होने के साथ ही भारत की सभ्यता के स्वर को भी मुखरित करता है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव मनाने के दौर में उनका स्मरण देश और दुनिया के लिए कई अर्थों में प्रासंगिक हो जाता है।

वे व्यक्ति के रूप में कर्मठ, अध्यवसायी और दृढ़व्रती तो थे ही उन्होंने भारत को अपने में इस कदर बसाया कि वे भारत के प्रतिनिधि हो गए और मनुष्यता के अर्थ की मिसाल भी। महात्मा गांधी देश की चेतना के प्रवाह में अपने को इस तरह सम्मिलित किए कि उनके लिए जीने का पर्याय बन गया। वह उनके स्वधर्म का अभिन्न अंग बन कर शारीरिक, मानसिक और सामाजिक आचरण को दिशा देने वाला हो गया। समष्टि को आत्मसात करने की उनकी चेष्टा उन्हें उनके समकालीनों और परवर्ती जनों से अलग करती है। उन्होंने भारत के साथ समानधर्मी होने की दिशा में चलने की राह खुद बनाई थी और अपनी पुरानी खोल से बाहर निकल कर देश-काल की परिस्थितियों को पहचानते हुए और सीमाओं में रहते हुए संवाद किया।

इस संवाद में विचार की कोटियों का निरंतर आविष्कार करना उनकी विलक्षण सृजनात्मकता को द्योतित करता है जो सीमाओं का विस्तार करने वाला साबित हुआ। सत्याग्रह, अहिंसा, सत्य, सेवा, ईश्वर और सविनय अवज्ञा जैसी आदर्श-सी प्रतीत होने वाली अवधारणाओं को अमली जामा पहनाया। इनको धो-पोंछकर नई ऊर्जा और अर्थवत्ता के साथ न केवल प्रस्तुत किया बल्कि आगे बढ़कर जीवन में उतारने का भी यत्न किया। स्वराय और स्वाधीनता की जो अनोखी लड़ाई उन्होंने लड़ी उसकी रणनीति बनाना आसान न था। वैचारिक, सामाजिक और क्षेत्रीय विविधताओं के बीच बहुस्तरीय भागीदारी सुनिश्चित करना सरल न था और सबको अपनाने के लिए विशाल हृदय की जरूरत थी और महात्मा गांधी ने बहुत हद तक यह उदारता दिखाई।

विचारों को व्यवहार में तब्दील करने के महात्मा गांधी के प्रयोग सिर्फ कागजी ही नहीं थे। उन्होंने काफी दृढ़ता और कड़ाई के साथ उनके पालन पर भी जोर दिया और खुद उदाहरण भी पेश किया। ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिनसे यह बात स्पष्ट होती है स्वयं संतुष्ट हो जाने के बाद ही वह साझा करते थे और दूसरों को अपनाने के लिए कहते और प्रेरित करते थे। उन्होंने ?सी तमाम तरकीबें विकसित कीं जो सामान्य आदमी को जीने की राह दिखाती हैं और सामाजिक परिवर्तन का अवसर देती हैं। अस्पृश्यता, बेरोजगारी और अशिक्षा जैसे सामाजिक शत्रुओं के विरुद्ध उन्होंने हरिजन सेवा, खादी और कुटीर उद्योग और बुनियादी शिक्षा के रचनात्मक कार्यक्रम शुरू किए जिनको जन समर्थन भी मिला। उनकी नजर में विशाल भारत का विराट समाज उपस्थित रहता था और वे सबकी चिंता कर रहे थे। इसीलिए उनकी नीतियों में पूरा भारत झांकता है। धरती पर पाँव टिका कर वे भारत के लोक कल्याण का मार्ग सुझा रहे थे। इसलिए समावेशी होने के लिए वह समाज के अंतिम आदमी को अपनी कसौटी बनाते थे।

इसके पर्याप्त प्रमाण हैं कि उनके द्वारा लिए संकल्प स्वयं उनके निजी जीवन, उनके आश्रमों के जीवन और उनके साथियों और अनुयाइयों के जीवन में भी उपस्थित हुए और उनको बदला। गांधीजी एक खास तरह की जीवन शैली के प्रतीक बन गए जिसमें आहार, विहार, आचार और विचार को नियोजित करने की व्यवस्था थी। प्रार्थना, मौन और उपवास जैसे अभ्यास के साथ गांधीजी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते थे। सत्य, अहिंसा, अस्तेय (चोरी न करना), अपरिग्रह (अनावश्यक चीजों को इकट्ठा न करना), ब्रह्मचर्य, संतोष आदि को दैनंदिन जीवन में व्रत के रूप में शामिल करना अनुशासित रहने की सीख देता है। इन सबमें आत्म-नियंत्रण और आत्म-नियमन के साथ जीने का मंत्र परिलक्षित होता है।

यदि गौर से देखा जाय तो यह बात प्रकट होती है कि गांधीजी में ये सारी बातें धीरे-धीरे विकसित हुईं। देश-विदेश में विभिन्न अवसरों, चुनौतियों, टकरावों और विफलताओं सबसे उन्होंने कुछ न कुछ ग्रहण किया और अपने में बदलाव लाते रहे। उनके अनुभव सिर्फ क्षणिक प्रभाव वाले न थे बल्कि उनसे उनके व्यक्तित्व का निरंतर उद्विकास (इवोल्यूशन) हुआ जो उनके जीवन में दिखता है। उन्होंने स्वयं यह बात स्वीकार की है कि उनके विचारों में बदलाव होता रहा है और आगाह किया है कि पहले व्यक्त विचार के बदले (उसी विषय पर) बाद में व्यक्त किए गए विचार को अधिक परिपक्व मानते हुए ठीक समझा जाय। पारदर्शी होना और अपनी हानि को देखते हुए भी देश और समाज के लिए त्याग के लिए वे तैयार रहते थे।

आज व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच का रिश्ता जब नाजुक दौर से गुजर रहा है और विश्व विनाश की राह पर अग्रसर है। महात्मा गांधी के विचार विशेष अर्थ और अभिप्राय वाले हो चले हैं। हिन्द स्वराज में 1909 में कभी उन्होंने पश्चिमी सभ्यता को शैतानी सभ्यता कहा था और 1938 में यह पूछे जाने पर कि क्या वह बदलाव करना चाहेंगे तो उन्होंने साफ़ मना किया था और वे इस बात पर कायम रहे। वैश्विक स्तर पर धरती और वायुमंडल को मनुष्य के प्रदूषण से बढ़ता खतरा अब अनियंत्रित सा होने लगा है। असमय और असंगत अनुपात में वर्षा और अनावृष्टि के साथ अनेक प्राकृतिक प्रकोप बढ़ रहे हैं। उपभोग और उपभोक्ता को बढ़ावा देने वाला पूंजीवादी माडल बाजार के हाथों में जा रहा है और बाजार के हित ही सर्वोपरि हुए जा रहे हैं। लगता है मानों सब कुछ बाजार से अनुबंधित हो रहा है और उसी के आदेश-निर्देश पर सारी व्यवस्थाएं चल रही हैं। प्रौद्योगिकी की बढ़ती भागीदारी ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है।

भारत की बढ़ती जनसंख्या पश्चिमी दुनिया के माडल पर चलने के लिए जरूरी संसाधनों के अभाव में चुनौती वाले भविष्य की ओर बढ़ रही है। बेरोजगारी, मंहगाई और सामाजिक न्याय के सवाल मुंह बाए हुए हैं। अब तक शैक्षिक दृष्टि से जो काम हुआ है उससे कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो सकी है। लोगों की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ी हैं और उसी के साथ कुंठाएं भी। ऐसे में भारत और सारी दुनिया के लिए चेतावनी देते महात्मा गांधी पुनर्विचार का आग्रह करते हैं और सम्भावनाओं का संकेत करते हैं। मनुष्य की सृजनात्मक समझ को उद्दीप्त करने लिए गांधीगिरी जरूरी हो रही है।

सम्पादकीय

चुनाव: भारतीय लोकतंत्र का असाधारण उत्सव

हृदयनारायण दीक्षित

चुनाव लोकतंत्र का महोत्सव होते हैं, लेकिन अपने देश में मतदान का प्रतिशत प्रायः कम रहता है। देश के पहले लोकसभा चुनाव सन् 1951-52 में मतदान का प्रतिशत 45 ही था।

2019 के लोकसभा चुनाव में यह 67 प्रतिशत हो गया। बेशक प्रगति संतोषजनक है, लेकिन इसे उत्साहवर्द्धक नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सभी नागरिकों और राजनैतिक दलों के सदस्यों को कम मतदान पर विचार करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षित और समृद्ध समझे जाने वाले नगरीय-महानगरीय क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम होता है। ऐसे क्षेत्रों के लोग सोशल मीडिया पर चुनाव के तमाम पहलुओं पर चर्चा करते रहते हैं, लेकिन मतदान करने प्रायः नहीं जाते।

प्रधानमंत्री की यह बात सही है। मतदान से लोकतंत्र मजबूत होता है। मतदान जनतंत्र का विशिष्ट अधिकार है, लेकिन यह एक पवित्र कर्तव्य भी है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भी मतदान के प्रतिशत में बढ़ोत्तरी की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में हमें संकल्प लेना चाहिए कि मतदाता पीछे न रह जाएं। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में मतदान का प्रतिशत 67.40 था। मतदान के प्रतिशत में लगातार बढ़ोत्तरी हुई है।

मूलभूत प्रश्न है कि मतदान का प्रतिशत अभी भी उत्साहवर्द्धक स्थिति में क्यों नहीं है? क्या विभिन्न दलों के घोषणा पत्र व जनहितकारी आश्वासन मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित नहीं करते? अब मतदान के लिए तमाम सुविधाएँ उपलब्ध हैं। पोलिंग बूथ भी घर से बहुत दूरी पर नहीं होते। राजनीतिक दलों के आश्वासन और किये गये काम विभिन्न संचार माध्यमों में सहज-सुलभ हैं, लेकिन मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ता।

चुनाव के दौरान सभी दल अपना घोषणा पत्र जारी करते हैं। सत्ता में आने पर तमाम योजनाओं के पूरा करने के आश्वासन देते हैं। मतदाताओं के सामने विकल्प की कमी नहीं है। दलों का चरित्र भी मजेदार है। अनेक दल विकास के वायदे करते हैं। विकास के इन वायदों पर मतदाता विश्वास नहीं करते। चुनाव में मुफ्त सामग्री देने जैसे वायदे भी होते हैं। चुनाव में मुफ्त वस्तु वितरण के वायदे का प्रश्न सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। कुछ एक दल विचारधारा के आधार पर भी अपने चुनाव अभियान चलाते हैं, लेकिन मतदाताओं के बीच विचार का प्रभाव प्रायः नहीं दिखाई पड़ता है। जाति-मजहब के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। जाति और मजहब का उन्माद बढ़ाते हैं। सुधी मतदाता इससे आहत होते हैं और मतदान के प्रति उदासीन हो जाते हैं। 5 राज्यों के चुनाव चल रहे हैं। प्रचार में बेमतलब के सवाल मतदान के लिए प्रेरित नहीं करते।

चुनाव में मूलभूत प्रश्नों पर बहस करने का सबसे अच्छा अवसर मिलता है। बेरोजगारी, जन स्वास्थ्य, चिकित्सा व्यवस्था, बिजली, पानी और सड़क जैसे मूलभूत प्रश्नों पर चुनाव में चर्चा होनी चाहिए, लेकिन ऐसी चर्चा का अभाव है। विकास की आधारभूत संरचना भी चुनाव में बहस का मुद्दा नहीं है। जाति मजहब के आधार पर जारी चुनाव अभियान समाज का वातावरण बिगाड़ते हैं। ऐसे अभियान समाज की आधारभूत एकता पर भी चोट करते हैं।

मूलभूत प्रश्न है कि हम वोट क्यों दें? क्या जाति की लामबंदी के लिए वोट दें? क्या राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों की उपेक्षा के बावजूद किसी दल को जाति मजहब के कारण वोट देना ठीक है? भारत के संविधान निर्माताओं ने लम्बी बहस के बाद संसदीय जनतंत्र अपनाया है।

यहाँ प्रत्येक वयस्क को मताधिकार है। निष्पक्ष व निर्भीक चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई थी। भारत निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा सारी दुनिया में है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आयोग द्वारा प्रत्येक चुनाव में अपील भी की जाती है, लेकिन मतदाता ऐसी अपीलों से प्रेरित नहीं होते।

व्यापारियों ने की जीएसटी घटाने की मांग

चंदर भूषण गुप्ता

ट्रैक्टर ओर ऐग्रिकल्चर पार्ट्स पर जीएसटी 18 से घटा कर 10 या 12 तक रखा जाए, व्यापारी ही सरकार का टैक्स कूलेक्टेर है टैक्स इकठा करके सरकार का ख़ज़ाना भरता है, डीज़ल पेट्रोल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए, सभी टैक्स हटाकर एक ही टैक्स कर दिया जाए जिसे कहेते है बैंकिंग ट्रैंज़ैक्शन टैक्स ,दिल्ली को डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर का दर्जा दिया जाए एवं ओर रियतें दी जाए ,व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाया जाए जिसमें व्यापारी अपनी तकलीफ़ें बता सके , डीज़ल की वजह से महंगाई का ज़ोर हर वर्ग पर पड़ता है इसे सस्ता किया जाए, इंकम टैक्स ओर जीएसटी को अधिक सरल किया जाए।

वित्त मंत्री से अभूतपूर्व बजट की आस

डा. जयंतीलाल भंडारी

इस समय पूरे देश की निगाहें एक फरवरी 2022 को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले वर्ष 2022-23 के बजट की ओर लगी हुई हैं। वित्तमंत्री इस बार कोरोना संकट और वित्तीय चुनौतियों के बीच आगामी महीनों में पांच राज्यों में चुनाव और विभिन्न वर्गों को कोरोना से निर्मित मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह खुली मुठ्ठियों से ऐसा अभूतपूर्व रणनीतिक बजट पेश करते हुए दिखाई देंगी जिससे लोगों को बड़ी राहत मिले और विकास दर भी बढ़े। इसमें कोई दो मत नहीं है कि इस वर्ष 2022-23 का बजट बनाते हुए विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय मुश्किलें वित्तमंत्री के मुंह बाए खड़ी हैं। कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास दिखाई दे रही है। महंगाई बढ़ी हुई है। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर और ओमिक्रॉन के कारण देश के उद्योग-कारोबार पर असर पड़ रहा है। फिर भी पिछले वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में सरकारी खजाने की स्थिति संतोषप्रद है। वित्तमंत्री के लिए राहत की बात यह है कि चालू साल के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने और विनिवेश लक्ष्य के उम्मीद से कम होने के बावजूद राजकोषीय घाटे के मोर्चे पर स्थिति काबू मंत है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार का राजकोषीय घाटा (फिजिकल डेफिसिट) 16.6 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान जताया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 7.1 फीसदी होगा। यह चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान 6.8 प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के द्वारा खेती और किसानों को प्रोत्साहन के लिए उच्च प्राथमिकता दिए जाने के जो संकेत दिए गए हैं, उनके मद्देनजर कृषि को भारी प्रोत्साहनों के साथ खाद्य और उर्वरक सबसिडी पर जोरदार इजाफा हो सकता है। कृषि ऋण के लक्ष्य को बढ़ाकर 18 से 18.5 लाख करोड़ रुपए कर सकती है।

नए बजट में प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष घोषणा की जा सकती है। आगामी बजट में पीएम किसान निधि पर अधिक प्रावधान, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाने वाली सरकारी खरीद के लिए अधिक प्रावधान किया जा सकता है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर खाद्य प्रसंस्कृत क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ाने के नए प्रावधान दिखाई दे सकते हैं। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में मनरेगा के लिए बजट आबंटन 73000 करोड़ रुपए का था। इस बार मनरेगा के लिए बजट वृद्धि होने की संभावनाएं हैं। निःसंदेह आगामी बजट में वित्तमंत्री बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों, खपत और नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देते हुए दिखाई दे सकती हैं। सड़क और रेल क्षेत्र में बजट खर्च करीब 20 से 25 फीसदी बढ़ सकता है। बुनियादी ढांचे पर वर्ष 2021-22 के बजट में 5.54 लाख करोड़ रुपए की राशि की प्रतिबद्धता जताई गई थी। ऐसे में आगामी बजट में बुनियादी ढांचे पर करीब 7 लाख करोड़ रुपए का आवंटन हो सकता है। आगामी बजट में सौर ऊर्जा सेक्टर को लेकर भी बड़ी घोषणा हो सकती है। किफायती आवास, रियल एस्टेट और निर्माण (कंस्ट्रक्शन) पर सरकार ज्यादा जोर दे सकती है। चूंकि सरकार चाहती है कि आने वाले वर्षों में दुनियाभर में भारत मैन्युफैक्चरिंग हब बनकर उभरे, ऐसे में इस परिप्रेक्ष्य में वित्तमंत्री आगामी बजट में बड़े ऐलान कर सकती हैं। वित्तमंत्री नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों पर दी जा रही 15 फीसदी कॉरपोरेट टैक्स की स्कीम को अगले 2 साल के लिए बढ़ा सकती हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 13 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 1.97 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया है। अब आगामी बजट में पीएलआई योजना में शामिल विभिन्न क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त आवंटन सुनिश्चित किया जा सकता है। आगामी बजट में वित्तमंत्री रिकॉर्ड निर्यात का लक्ष्य रखते हुए विभिन्न कच्चे मालों पर आयात शुल्क घटा सकती हैं। ये आयात शुल्क खासतौर से ऐसी चीजों के कच्चे माल पर घटाए जा सकते हैं, जिनका पीएलआई क्षेत्र के उद्योगों में उपयोग होता है। वित्तमंत्री के द्वारा आगामी बजट में छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाने हेतु सरकार के द्वारा राहत के व्यापक उपाय सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

छोटे करदाताओं और मध्यम वर्ग की मुश्किलों के बीच वर्ष 2020 में लागू नई आयकर व्यवस्था को आकर्षक बनाने का ऐलान किया जा सकता है। टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए सरकार टैक्स में छूट की सीमा को दोगुना कर 5 लाख तक कर सकती है। नौकरीपेशा वर्ग के लोगों को स्टैंडर्ड डिडक्शन की जो सीमा 50 हजार रुपए है, उसे बढ़ाकर 75 हजार रुपए किया जा सकता है। मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपए की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। अतएव धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा ढाई लाख से तीन लाख रुपए की जा सकती है। वर्ष 2022-23 के बजट में घर खरीदने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के मद्देजनर सरकार होम लोन के ब्याज रीपेमेंट पर मिलने वाले बेनिफिट की लिमिट को दो लाख रुपए से बढ़ाकर चार लाख रुपए किया जा सकता है। सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट बढ़ाई जा सकती है। वित्तमंत्री के द्वारा महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर की छूट सीमा बढ़ाई जा सकती है। देश के शेयर बाजार को आगामी बजट से तेजी से बढ़ने के प्रोत्साहन मिल सकते हैं। साथ ही आगामी बजट में आतिथ्य, पर्यटन, आराम और अन्य संपर्क वाली सेवाओं को समर्थन दिया जा सकता है। देश में आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ-साथ ऑटोमेशन के बढ़ते दखल को देखते हुए इन्हें प्रोत्साहन देने हेतु केंद्र सरकार बजट में खास ऐलान कर सकती है। देश की सीमा पर चीन और पाकिस्तान के कारण गहराए तनाव और तनातनी के लंबे दौर में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवालों के कारण आगामी आम बजट के तहत रक्षा बजट में बड़ा इजाफा किया जा सकता है।

वित्त वर्ष 2022-23 के आम बजट में नव सृजित केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने और सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं। आगामी बजट के तहत वित्तमंत्री देश में खुदरा कारोबार और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने और कारोबार करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की संख्या घटाकर उनका अनुपालन बोझ हल्का करने के तरीके भी सुनिश्चित कर सकती हैं। साथ ही एमएसएमई के लिए विशेष राहत पैकेज दिया जा सकता है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) को अधिक उपयोगी बनाने के लिए आगामी बजट में विशेष घोषणा की जा सकती है। निजीकरण और विनिवेश पर नए सिरे से जोर दिया जा सकता है। संपत्ति मुद्रीकरण के जरिए अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा सकते है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि वित्तमंत्री सीतारमण राजकोषीय घाटे को जीडीपी के करीब 6 से 6.5 प्रतिशत तक विस्तारित करते हुए अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार अवसरों को बढ़ाने, निवेश के लिए प्रोत्साहन देने तथा विभिन्न वर्गों को राहत देने के लिए आर्थिक प्रोत्साहनों से सजे-धजे वर्ष 2022-23 के बजट को प्रस्तुत करने के लिए आगे बढ़ेंगी। इससे एक ओर आम आदमी की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे नई मांग का निर्माण होगा और उद्योग-कारोबार की गतिशीलता बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत तक विकास दर करीब 8 फीसदी के स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगी।

उत्तर प्रदेश का चुनावी परिदृश्य

वीरेन्द्र सिंह परिहार

होने को तो उत्तर प्रदेश के अलावा पंजाब, उत्तराखण्ड, मणिपुर और गोवा में भी विधानसभा के चुनाव सम्पन्न होने जा रहे हैं। पर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सिर्फ उत्तर प्रदेश के लोगो में ही नहीं, पूरे देश के लोगो में एक विशेष तरह की उत्सुकता है।

इसकी एक बड़ी वजह यह हो सकती है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटों के चलते दिल्ली की सत्ता का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है।

चुनाव परिणामों को लेकर अभीतक जो 8 चैनलों के सर्वे आये हैं, उसमें सात भाजपा को और मात्र एक चैनल सपा को जिता रहा है। निष्पक्ष पर्यवेक्षकों का कहना है कि आयेंगे तो योगी ही, यह बात अलग है कि इसबार भाजपा की विधानसभा में सीटे 2017 की तुलना में कम आयेंगी। ऐसा मानना है कि भाजपा की जहाँ 50 के आसपास सीटें कम हो सकती हैं, वहीं सपा 50 से लेकर 100 सीटों तक बढ़ सकती है।

गौर करने का विषय यह कि ऐसा क्यों है कि भाजपा को पिछली बार की तुलना में कम सीटें आयेंगी, जबकि मुख्यमंत्री योगी को लेकर लोगो में कोई आक्रोश जैसी स्थिति नहीं है। अधिकांश लोग योगी सरकार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर संतुष्ट नजर आते हैं। विगत 5 वर्षों में विकास की दृष्टि से उत्तर प्रदेश ने कई कीर्तिमान कायम किये हैं। इसलिये पहले राष्ट्रीय स्तर पर बहुत पीछे रहते हुये कई मामलों में उत्तर प्रदेश पहले और दूसरे स्थान पर आ गया है। जहां पहले पर्याप्त बिजली सिर्फ तीन जिलों को मिलती थी, वहीं अब प्रचुर मात्रा में पूरे प्रदेश को मिल रही है।

वस्तुतः 2017 के चुनाव में अखिलेश सरकार के सत्ता विरोधी कारक और मोदी फैक्टर के चलते भाजपा को लोगों ने एकतरफा वोट दिया। इसबार कुछ कारणों से स्थितियां अलग हैं। पहली बड़ी बात तो यह कि इसबार बसपा पूरी तरह अप्रासंगिक और मुकाबले से बाहर हो चुकी है। पिछली बार जहाँ उसे 23 प्रतिशत मत मिले थे, वहीं अब वह अधिक से अधिक 12-13 प्रतिशत मत ही जुटा सकने की स्थिति में है। इसका बड़ा कारण यह कि पिछले चुनाव में ही सपा के 47 के मुकाबले बसपा को मात्र 19 सीटें मिली थी। ऐसी स्थिति में भाजपा विरोधी मतदाता बसपा को छोड़कर सपा के साथ हो लिये हैं।

पिछली बार जहाँ मुसलमानों का एक तबका बसपा के साथ था, वह भाजपा को हराने की दृष्टि से सपा के साथ आ चुका है। यद्यपि उत्तर प्रदेश में आईएमआई के ओवैसी फैक्टर को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। ऐसी स्थिति में यदि ओवैसी के पक्ष में मुसलमानों का एक बड़ा तबका गोलबंद हुआ तो भाजपा का रास्ता आसान हो जायेगा।

भाजपा की सीटें कम होने का दूसरा बड़ा कारण यह कि पिछली बार जाट मतदाताओं ने एकतरफा ढंग से भाजपा का साथ दिया था, लेकिन इस बार कृषि कानूनों और कुछ जयंत के चौधरी चरण सिंह के पौत्र होने के कारण सहानुभूति के चलते जाटों का बड़ा हिस्सा सपा आरएलडी के साथ जाने की संभावना बन गई है। यद्यपि जिस ढंग से गृहमंत्री अमित शाह इस दिशा में जुट गये हैं और जिसका असर दिखना शुरू हो गया है। बड़ी बात यह कि 2012 के मुजफ्फरपुर दंगों को लेकर जाटों और मुसलमानों में व्याप्त दूरियां अभी पट नहीं सकी हैं, फिर उत्तर प्रदेश में सपा उम्मीदवारों और उनके समर्थकों द्वारा जिस ढंग से जाटों और दूसरे हिन्दुओं को धमकाया जा रहा है- जमीन पर उसका असर दिखना शुरू हो गया है।

समस्या यह है कि भाजपा जहाँ अपनी नीतियों एवं कार्यों के आधार पर मतदाताओं का समर्थन जुटा रही है, सपा विशुद्ध जातीय एवं साम्प्रदायिक आधार पर उत्तर प्रदेश की सत्ता पाना चाहती है। इसी के चलते अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के कई छोटे-छोटे जातीय दलों से गठबन्धन किया। इस दिशा में उत्तर प्रदेश के ब्राम्हणों को भी खूब बरगलाने की कोशिश की गई। विकास दुबे और कुछ ब्राह्मण जाति के माफिआओं के एन्काउन्टर और कठोर कार्रवाई के चलते विरोधी दलों ने इसे योगी सरकार के विरोध में ब्राह्मण विरोधी बतौर प्रचारित किया। ब्राह्मण को अपने पाले में लाने के लिये जहाँ मायावती प्रबुद्ध सम्मेलन करने लगीं, वहीं अखिलेश परशुराम मंदिर बनाने की बातें करने लगे। लेकिन ब्राह्मणों को यह अच्छी तरह पता है कि सपा और बसपा जाति-विशेष की पार्टियां हैं। इसलिये जो सर्वे आ रहे हैं, उसमें कम से कम दो तिहाई ब्राह्मण मतदाता तो भाजपा के साथ खड़ा दिखाई ही देता है। अन्ततः अखिलेश और मायावती को स्वतः ब्राह्मणों से कोई खास उम्मीद नहीं रह गई है। इसलिये आनुपातिक रूप से उन्हें बहुत कम उम्मीदवारी दी गई है।

मुस्लिम समुदाय को पूरी तरह अपने पाले में करने के लिये अखिलेश यादव ने बहुत सारे बाहुबली और कुख्यात अपराधियों को सपा का टिकट दिया है। इसमें सबसे उल्लेखनीय नाम नाहिद हसन का है, जिसे कैराना से उम्मीदवार बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि यह वही व्यक्ति है, जिसके चलते कैराना से 2016 में हिन्दुओं को पलायन करना पड़ा था। इसके अपराधों की लम्बी सूची है और यह फरार घोषित था पर नामांकन करते वक्त पुलिस द्वारा पकड़ा गया। इसी तरह से हापुड़ के धौलाना सीट से सपा प्रत्याशी असलम चौधरी पर भी कई गम्भीर आपराधिक मामले चल रहे हैं। आजम खान जो विगत वर्षों से जेल में बंद हैं और उनके विरुद्ध सैकड़ों मुकदमे हैं। जैसा कि गृहमंत्री शाह कहते हैं कि आजम को लेकर तो आईपीसी की धाराएं ही कम पड़ गई है। इसी तरह से अखिलेश ने दूसरे समुदायों से उम्मीदवारी में बाहुबलियों और अपराधियों को प्राथमिकता दी है।

विभिन्न चैनलों के सर्वे में मुख्यमंत्री पद भी पसंद की दौड़ में भी योगी आदित्यनाथ सबसे आगे हैं। उन्हें जहाँ करीब 45 प्रतिशत लोग मुख्यमंत्री पद के लिये पसंद करते रहे हैं, वहीं अखिलेश का आकड़ा अधिकतम 35 प्रतिशत तक ही जाता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

सैंडल में जीपीएस ट्रैकर लगा कर पहुंची एयरपोर्ट, पटना पुलिस ने रात भर की पूछताछ

नई दिल्ली। बिहार के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट पटना से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। बता दें कि, एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के जवानों ने एक युवती को गिरफ्तार किया है। आरोप बताया जा रहा है कि महिला सैंडल में जीपीएस ट्रैकर लगाकर सफर कर रही थी। इस घटना के बाद पूरे एयरपोर्ट में हंगामा मच गया और जांच एजंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवती से पूछताछ की गई है। लेकिन अभी तक किसी को समझ नहीं आ रहा है कि महिला ने सेंडल पर जीपीएस ट्रैकर कैसे और क्यों लगाया गया। इस खबर से पूरे एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई है।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि, सुरक्षा अधिकारियों ने एक महिला के हैंडबैग में एक सैंडल रखी हुई थी, जब जांच की गई तो महिला के सैंडल में जीपीएस ट्रैकर बरामद हुआ। महिला पटना से बेंगलुरू जा रही थी। सुरक्षा अधिकारियों ने जब महिला से पूछताछ करना शुरू किया तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जिसके बाद सीआईएसएफ के अधिकारियों ने युवती से पूछताछ शुरू की और उसे गिरफ्त में ले लिया। इसके बाद सीआईएसएफ ने इसकी सारी जानकारी पटना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पटना पुलिस महिला को थाने ले गई जहां उससे पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, महिला पटना के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के शाहगंज इलाके की रहने वाली है और उसके पिता बेंगलुरु में बिजनेस करते हैं। अपने पिता से मिलने के लिए महिला इंडिगो की फ्लाइट से बेंगलुरू जा रही थी। पुलिस इस बारे में अभी कुछ भी बोलने से बच रही है। वहीं जांच में पता चला है कि महिला का प्रेमी कई आपराधिक मामलों में रहा है। गौरतलब है कि हाल में खुफिया एजेंसियों ने बिहार के सीमावर्ती इलाकों में स्लीपर सेल के एक्टिव होने की खबर बिहार पुलिस को दी थी और अलर्ट लेटर जारी किया था।

मौलाना तौकीर रजा की बहू निदा खान भाजपा में शामिल, सपा-बसपा के कई नेताओं ने भी बदला पाला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का सिलसिला भी लगातार जारी है। इन सबके बीच आज बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। जानकारी के मुताबिक 21 ऐसे लोग हैं जिन्होंने आज भाजपा का दामन थामा है। इनमें ऐसे कई नेता भी हैं जो अपनी पार्टियों के लिए वर्षों से जमीन पर काम करते रहे हैं। लेकिन आज खास बात यह भी है कि मौलाना तौकीर रजा खां की बहू निदा खान ने भी भाजपा की सदस्यता ले ली है। निदा खान ने दावा किया कि वह पार्टी के कार्यों से प्रभावित होकर इसमें शामिल हो रही हैं। बरेली की तीन तलाक पीड़िता निदा खान ने कहा कि मैं भाजपा में इसलिए शामिल हुई हूं क्योंकि यह तीन तलाक कानून लेकर आई और सभी धर्मों की महिलाओं के सशक्तिकरण का भी काम किया। उन्होंने कहा कि मेरे साथ अन्याय होते आए हैं। मुझे अब किसी पर भरोसा नहीं है। इसलिए मैं भाजपा में शामिल हो रही हूं। उन्होंने भरोसा जताया कि मुस्लिम महिलाएं निश्चित तौर पर इस बार भाजपा का समर्थन करेंगी। आपको बता दें कि आज इतने लोगों ने भाजपा का दामन थामा है उन्हें लखनऊ में सदस्यता दिलाई गई है। तौकीर रजा अक्सर विवादों में रहते हैं। हाल में ही उन्होंने कांग्रेस के समर्थन का ऐलान किया था। निदा खान का निकाह आल्हा हजरत खानदान के मौलाना उस्मान रजा खां उर्फ अंजुम मियां के पुत्र शीरान रजा खां के साथ हुआ था। मौलाना उस्मान तौकीर रजा खां के बड़े भाई हैं। इस नाते निदा खान भी तौकीर रजा की बहू हुई। निदा शीरान रजा का लगभग 1 साल पहले तलाक हो गया था। मामला तीन तलाक का बना और निदा ने लंबी लड़ाई भी लड़ी है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रात को नगर निगम के कार्यालय में छापा मारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार की रात को अचानक गुरुग्राम के सेक्टर 39 स्थित नगर निगम के कार्यालय में छापा मारा। उन्होंने नगर निगम कार्यालय के कंट्रोल रूम में जाकर रात में शहर में साफ सफाई के लिए लगायी गई गाड़ियों तथा कर्मचारियों के बारे में पूछताछ की और ड्यूटी रोस्टर भी देखा। मुख्यमंत्री ने कंट्रोल रूम में उपस्थित कर्मचारी से पूछा कि इस समय ड्यूटी पर कितने कर्मचारी होने चाहिए और कितनी सफाई मशीन लगी हुई हैं, उनकी मॉनिटरिंग कैसे की जा रही है। नगर निगम के कर्मचारी ने बताया कि गुरुग्राम शहर में साफ सफाई के लिए 13 गाड़ियां चल रही हैं, रात 10 बजे से सफाई का कार्य शुरू होता है। मुख्यमंत्री ने वहीं से फोन पर नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त से भी बात की और साफ सफाई व ड्यूटी रोस्टर के बारे में पूछताछ की। नगर निगम गुरुग्राम सेक्टर 39 में छापा मारने के बाद मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल गुरुग्राम के सेक्टर 44 स्थित जीएमडीए कार्यालय जा पहुँचे, जहाँ पर इंटेग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बना हुआ है। उस सेंटर से गुरुग्राम की विभिन्न सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरे जुड़े हुए हैं और उन कैमरों से सड़कों की रात में मशीनों से हो रही साफ सफाई को देखा जा सकता है।

देश की पहली कोरोना मरीज वापस लौटना चाहती है वुहान, यह है बड़ा कारण

नयी दिल्ली। लोग अपने करियर के लिए कुछ भी कर देना चाहते है और ऐसा ही कुछ केरल के त्रिसुर की रहने वाली युवती ने कर दिखाया है। बचपन से डॉक्टर का सपना देखने वाली भारत की छात्रा चीन के वुहान में मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। लेकिन जब कोरोना महामारी ने दुनिया में अपना पैर पसारा तो वह कोरोना का शिकार हो गई। बता दें कि, यह छात्रा भारत की पहली कोरोना मरीज थी। दो साल पहले यानि की 30 दिसंबर 2022 को भारत में कोरोना से पीड़ित पहले मरीज की पहचान हुई थी। हालांकि, अब वह बिल्कुल स्वस्थ है और अब अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के लिए फिर से एक बार वुहान जाना चाहती है। लड़की के पिता ने कहा कि, कोरोना को अब काबू किया जा सकता है और बेटी के करियर के लिए यह करना पड़ेगा। जब वुहान में कोरोना महामारी अपना कहर बरपा रहा थआ तब केरल की छात्रा वापस त्रिसूर लौट आई थी लेकिन हफ्ते बाद ही वह कोरोना पॉजिटिव हो गई। अगर वह वुहान में कोरोना पॉजिटिव पाई जाती तो शायद उनका भारत लौटना बहुत मुश्किल हो जाता। बता दें कि, छात्रा इस दौरान ऑनलाइन क्लास लेकर अपनी पढ़ाई कर रही है। उन्होंने पिछले वर्ष दिसंबर महीने में एमबीबीएस कोर्स को ऑनलाइन ही कंप्लीट कर लिया था और परीक्षा भी पास कर ली थी। लेकिन अब उन्हें कॉलेड लौटना होगा क्योंकि चीन के कानून के मुताबिक, एमबीबीएस स्टूडेंट्स को 52 सप्ताह तक इंटर्नशिप प्रोग्राम में शामिल होना ही पड़ता है और ग्रेजुएशन फाइनल ईयर के बाद अस्पताल में उनकी मौजुदगी काफी महत्वपूर्ण होती है। अगर ऐसा नहीं किया तो डिग्री नहीं दी जाती है। बता दें कि, इस समय वुहान में सभी कॉलेज बंद है। छात्रा के पिता के मुताबिक, बेटी को चीन जाना होगा, वुहान में कई अधिकारियों से बात करने के बाद केन्द्र सरकार से गुहार लगाई है। उन्होंने आगे कहा कि, कोरोना से सभी प्रभावित हुए है और मेरी बेटी भी इससे अछुती नहीं रही है। वह दो बार कोरोना से संक्रमित हुई है। पहली भारतीय जब कोरोना से संक्रमित हुई तो उस समय डॉक्टरों के पास कोई जानकारी नहीं थी और न ही उस वायरस को कोई नाम दिया गया था।

मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन की नयी परिभाषाएं: अमित शाह

अहमदाबाद। (एजेंसी)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी केंद्र सरकार की योजनाएं महात्मा गांधी द्वारा चलाये गये 'स्वदेशी' आंदोलन की नयी परिभाषाएं हैं। उन्होंने कहा कि नये भारत के निर्माण के लिए महात्मा गांधी द्वारा आगे बढ़ाये गये विचारों को आजादी हासिल करने के बाद कई सालों तक भुला दिया गया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें एक नयी जिंदगी दी। शाह महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके भित्तिचित्र का अनावरण करने के लिए यहां आये थे। गांधी की पुण्यतिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवाईआईसी) द्वारा लगाया गया भिति चित्र साबरमती नदी के तट पर एक दीवार को सुशोभित करता है। उसे देश के विभिन्न हिस्सों से लाये गये कलाकारों ने 2975 मिट्टी के बर्तनों की मदद से 100 वर्गमीटर की एल्यूमीनियम प्लेट पर बनाया है। इन कलाकारों को यहां प्रशिक्षण दिया गया था। शाह ने कहा, 'महात्मा गांधी ने बस देश की स्वतंत्रता की खातिर लड़ाई नहीं लड़ी, बल्कि

उन्होंने आजादी मिलने के बाद स्वदेशी, सत्याग्रह, स्वभाषा, साधन शुद्धि, अपरिग्रह, प्रार्थना, उपवास और सादगी के माध्यम से देश के पुनर्निर्माण के तरीके भी सुझाये थे। ' उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने अंग्रेजों से संघर्ष के दौरान नागरिकों की चेतना में इन विचारों को भरा, ताकि आजादी हासिल होने के बाद देश के पुनर्निर्माण के लिए आधार बनाया जाए। गृह मंत्री ने कहा, 'दुर्भाग्य से कई सालों तक बापू के फोटो पर श्रद्धांजलि दी गयी तथा भाषणों में उनका जिक्र किया गया लेकिन खादी, हस्तकरघा, स्वएवं स्वदेशी के उपयोग को भुला दिया गया। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने बापू के इन विचारों को एक नयी जिंदगी दी।' उन्होंने कहा, 'मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल जैसी केंद्र की नयी योजनाएं स्वदेशी की नयी परिभाषाएं हैं।' उन्होंने कहा, 'आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारत के आर्थिक उत्थान, उसे वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की अवधारणा एवं 130 करोड़ भारतीयों से स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की अपील -ये तीनों विचार बापू के स्वेदशी (आंदोलन) से उपजे हैं।' शाह ने कहा कि खादी के उपयोग के नवीनीकरण की मोदी की कोशिश से केवीआईसी को 95000 करोड़ रुपए का टर्नओवर हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने गुजरत के लोगों से खादी के कपड़ों का इस्तेमाल करने की अपील भी की। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'खादी न केवल गरीबों को सशक्त बनाने का मार्ग है, बल्कि यह भारत के आत्मसम्मान का भी उदाहरण है।' उन्होंने कहा कि खादी के उपयोग के पीछे गांधी द्वारा रखे गये विचार आज भी प्रासंगिक हैं। शाह ने कहा कि नयी शिक्षा नीति में 'स्वभाषा' पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति भारतीय भाषाओं को उचित महत्व देगी क्योंकि यदि भारत अपनी भाषाओं से कट गया तो वह अपनी संस्कृति, इतिहास, साहित्य एवं व्याकरण से अलग हो जाएगा।

राम भक्तों के खून से सनी हुई है सपा नेताओं की टोपी, योगी आदित्यनाथ का हमला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सपा की 'लाल टोपी' मुजफ्फरनगर दंगों के पीड़ितों और अयोध्या में मारे गए राम भक्तों के खून से सनी हुई है। योगी ने शनिवार शाम एक टीवी चैनल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा, 'समाजवादी पार्टी की लाल टोपी मुजफ्फरनगर दंगों के पीड़ितों और अयोध्या में राम भक्तों के खून से रंगी हुई है।' सपा कार्यकर्ता लाल टोपी पहनते हैं और भाजपा इसके रंग को लेकर सपा पर निशाना साधती रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने भी एक रैली में इसे 'रेड अलर्ट' करार दिया था। योगी ने कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार ने आम आदमी की रक्षा और सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए काम किया, साथ ही यह सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया कि 'अपराधी डर महसूस करें।' पिछली सपा सरकार पर राज्य के गरीब लोगों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने (सपा) केवल अपने करीबियों के लिए काम किया जो इत्र के कारोबार में शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'वे इनकार कर सकते हैं लेकिन सच सच ही रहता है।' राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी और उसके नेता अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, 'उन्होंने (सपा) कभी भी उत्तर प्रदेश और उसके लोगों को अपना नहीं माना। उनका नजरिया परिवार और पाकिस्तान केंद्रित है। 2017 से पहले राज्य में हर तीसरे दिन दंगे होते थे और लड़कियां डरती थीं। राज्य में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद यह बदल गया है।'

क्या शिवसेना-भाजपा के बीच फिर से होगा गठबंधन? संजय राउत ने दिया यह जवाब

मुंबई। (एजेंसी)

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को जोर देते हुए कहा कि तीन दलों का महाविकास आघाडी (एमवीए) महाराष्ट्र का राजनीतिक भविष्य है और भारतीय जनता पार्टी तथा उनकी पार्टी (शिवसेना) के बीच पर्दे के पीछे एक समझौता होने की अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र 'रोकटोक' में अपने साप्ताहिक स्तंभ में कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एवं पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 23 जनवरी को शिव सैनिकों को संबोधित करते हुए भाजपा पर पलटवार किया था, जो उनके (ठाकरे के) अस्वस्थ रहने को लेकर उनकी आलोचना कर रही थी।

पार्टी के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि ठाकरे ने भाजपा के पाखंड, हिंदुत्व पर दोहरे मानदंड को लेकर उस पर प्रहार किया था

तथा यह जिक्र किया कि भाजपा के साथ गठजोड़ में शिवसेना को किस कदर नुकसान हुआ। ठाकरे ने कुछ महीने पहले एक सर्जरी कराई थी। राउत ने कहा, 'उनके भाषण का यह अभिप्राय था कि शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की साझेदारी वाला महाविकास आघाडी महाराष्ट्र का भविष्य है तथा इन अटकलों में कोई सच्चाई नहीं है कि शिवसेना और भाजपा के बीच पर्दे के पीछे कोई समझौता हो रहा है और वे फिर से साथ आ सकते हैं।' उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया था कि शिवसेना राजनीतिक रूप से उस वक्त फूली-फली जब वह भाजपा के साथ गठबंधन में थी।

राउत ने कहा, 'शिवसेना-भाजपा के फिर से मेल होने की कोई संभावना नहीं है।' शिवसेना ने 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद साझा किये जाने के मुद्दे को लेकर भाजपा से नाता तोड़ लिया था। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चारों ओर 'कारोबारियों की एक दीवार' है। राउत ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'मोदी ने भारतीय राजनीति को एक कार्यक्रम में तब्दील कर दिया है और इसे एक त्योहारी स्वरूप दे दिया है। दुनिया में ऐसा किसी ने नहीं किया है।

करहल में अखिलेश को चुनौती देंगी अपर्णा, कहा- टिकट मिली तो लड़ सकती हूं चुनाव

मेरठ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान तेज होता दिखाई दे रहा है। इन सब के बीच मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और हाल में ही भाजपा का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने अखिलेश यादव को चुनौती देने की तैयारी कर ली है। पहली बार मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ने जा रहे अखिलेश यादव को अपर्णा यादव चुनौती दे सकती हैं। माना जा रहा है कि भाजपा अखिलेश यादव को करहल सीट पर कड़ी चुनौती देने का मन बना चुकी है और हाल में ही शामिल हुए मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को मैदान में उतार सकती है। आपको बता दें कि फिलहाल करहल सीट से भाजपा ने किसी प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया है।

कांग्रेस की ओर से करहल से ज्ञानवती यादव को उम्मीदवार बनाया गया है जबकि बीएसपी ने कुलदीप नारायण को टिकट दिया है। सियासी गलियारों में चल रही चर्चा के मुताबिक करहल से मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को अखिलेश के खिलाफ भाजपा टिकट दे सकती है। अपर्णा यादव भी कलहर सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर चुकी हैं। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने इस बात के संकेत भी दे दिए हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि पार्टी जहां से टिकट देगी वहां से चुनाव लड़ लूंगी।

प्रधानमंत्री मोदी 2 फरवरी को भाजपा वर्करों से करेंगे संवाद - बजट पर करेंगे बात : कश्यप

शिमला। (एजेंसी)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गरीब, वंचित, पीड़ित एवं किसानों के कल्याण के प्रति समर्पित है। कश्यप ने कहा कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के साथ आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर देश अग्रसर है, हमारे लिए यह गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री प्रातः 11 बजे 2 फरवरी, 2022 को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था पर कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 2 फरवरी को भाजपा वर्करों से करेंगे संवाद - बजट पर करेंगे बात, आम बजट के 1 दिन बाद बताएंगे बजट की बारीकियां। 1 फरवरी के तुरंत बाद 2 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी संसद में पेश आम बजट की बारीकियों के बारे में पार्टी कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे, देशभर के पार्टी कार्यकताओं और नेताओं को प्रधानमंत्री लगभग 1 घंटे तक वर्चुअली संबोधित करेंगे और अपने संबोधन के दौरान वे बजट से जुड़ी तमाम उपलब्धियों के बारे बताएंगे।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री केंद्र सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट में आवंटित फंड और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए उठाए गए तमाम कदमों की जानकारी भी देंगे। कोविड वैश्विक महामारी के संकट के समय 12 मई, 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने 20 लाख करोड़ रुपए के ऐतिहासिक आत्मनिर्भर भारत के पैकेज की घोषणा कर उस पर क्रियान्वयन करने का कार्य किया, जहां एक ओर गरीब, किसान, आम जनमानस को राहत देने का कार्य हुआ वहीं अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान हुई। आज भारत ने दुनिया की तीव्र आर्थिक वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। कोविड - 19 की वैश्विक महामारी के संकट से बचाव हेतु मानव के सुरक्षा कवच के रूप में विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 164 करोड़ से अधिक मुफ्त टीकाकरण संपन्न हो चुका है। सभी देशवासी प्रधानमंत्री जी का इस ऐतिहासिक कार्य के लिये अभिनन्दन कर रहे हैं।

संसद के बजट सत्र के हंगामेदार होने के आसार, इन मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

संसद के सोमवार से शुरू हो रहे बजट सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं और विपक्ष ने पेगासस जासूसी मामले, पूर्वी लद्दाख में चीनी ह्यघुसपैठह्ल जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी की है। बजट सत्र की शुरूआत 31 जनवरी को हो रही है और उस दिन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उसी दिन वर्ष 2021-22 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी। वित्त मंत्री एक फरवरी को वित्त वर्ष 2022-23 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। कोविड महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए सत्र के पहले चरण के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें दिन में अलग-अलग समय पर आयोजित होंगी ताकि कोविड से संबंधित सामाजिक दूरी के नियमों का पालन हो सके।

बजट सत्र के पहले दो दिन शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं होंगे। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा बुधवार से शुरू होगी। ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात फरवरी को चर्चा का जवाब देंगे। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिये चार दिन रखे गए हैं जो दो फरवरी से शुरू होगी। संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद विभिन्न विभागों के बजटीय आवंटन पर विचार के लिये अवकाश रहेगा। बजट सत्र का दूसरा चरण 14 मार्च से आरंभ होगा जो आठ अप्रैल तक चलेगा। राष्ट्रपति का अभिभाषण 31 जनवरी को होगा। लोकसभा की बैठक एक फरवरी को सुबह 11 बजे होगी और उस दिन आम बजट पेश किया जाएगा। दो फरवरी से लोकसभा की कार्यवाही शाम चार बजे से रात नौ बजे तक चलेगी। लोकसभा सचिवालय के एक हालिया बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर निचले सदन की बैठक के दौरान दोनों सदनों के कक्षों और दीघाओं का इस्तेमाल सदस्यों के बैठने के लिए किया जाएगा।

बजट सत्र की बैठक ऐसे समय हो रही है जब पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब व मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बजट सत्र में कोरोना प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों से जुड़े मुद्दे, सीमा पर चीन के साथ गतिरोध और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने का फैसला किया है। पार्टी का कहना है कि सीमा पर चीन की बढ़ती आक्रामकता और उसके साथ चल रहे गतिरोध, महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था की स्थिति, एयर इंडिया तथा दूसरी सरकारी कंपनियों के निजीकरण तथा किसानों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। संसद सत्र का कामकाज सुचारू रूप से चलाने के लिये राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद पटेल सोमवार को राजनीतिक दलों के सदनों में नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

पेगासस मामले में प्रधानमंत्री को राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए : अशोक गहलोत

जयपुर। (एजेंसी)

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को कहा कि पेगासस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र को संबोधित करना चाहिए और बताना चाहिए कि जो भ्रम पैदा हो रहा है, वह गलत है। गहलोत ने रविवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'केंद्र सरकार को पेगासस मामले में खुद आगे आकर स्पष्टीकरण देना चाहिए.. अगर आप पाक साफ होङ्क प्रधानमंत्री को खुद को देश को संबोधित करना चाहिए और बताना चाहिए कि जो भ्रम पैदा हो रहा है, वह गलत है।' उन्होंने कहा कि टेलीफोन को अगर सर्विलांस पर रख दिया तो वह भी बड़ा जुल्म होता है। गहलोत ने कहा, 'उच्चतम न्यायालय को भी जिस रूप में प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करनी चाहिए, वह नहीं कर पा रहा है, किसे दोष दें? सरकार जो हलफनामा दे रही है, उच्चतम न्यायालय में उसके कई मायने निकलते हैं।' उन्होंने कहा कि रिचर्ड निकसन को जासूसी के मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'देश में माहौल बन गया है कि असहमति रखने वाले लोग निशाने पर हैं, जिस राज्य में चुनाव होता है, वहां ईडी वाले आ जाते हैं, आयकर विभाग पहुंच जाता है, सीबीआई पहुंच जाती है। इस माहौल में देश में लोकतंत्र चल रहा है इसलिए मैं बार-बार कहता हूं कि लोकतंत्र को भी खतरा है और संविधान को भी खतरा है।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज ऐसी स्थिति बन गई है देश के अंदर, आप आलोचना कर दो, असहमति व्यक्त कर दो, तो आप देशद्रोही हो। आप सोच सकते हो कि यह मुल्क किस दिशा में जा रहा है। मैं समझता हूं कि हर नागरिक के लिए यह चिंता का विषय होना चाहिए।' उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, 'यह जो ट्रोल मीडिया चल पड़ा है भाजपा-आरएसएस का, आप कोई बात लिखो सोशल मीडिया पर, तो इनकी ट्रोल सेना जिसे लाखों-करोड़ों रुपए दिए जाते हैं, वे लोग आक्रमण करने के लिए टूट पड़ते हैं। लोकतंत्र में तो असहमति, आलोचना का भी स्वागत किया जाता है।' शहीद दिवस पर सचिवालय में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने बाद गहलोत ने कहा कि देश में आज लगभग 98 प्रतिशत लोग आजादी के बाद पैदा हुए हैं और नई पीढ़ी को गांधी की विचारधारा पहुंचाने की आवश्यकता है। शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) का पेपर लीक होने के मामले में गहलोत ने कहा कि राजस्थान की सरकार ने मामले की भनक लगते ही तुरंत कार्रवाई की और इसकी जांच के लिये एसओजी को जिम्मेदारी सौंपी।

विपक्षी भाजपा द्वारा पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को खारिज करते हुए गहलोत ने कहा कि भाजपा नेताओं को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के बजाय व्यवस्था में सुधार के लिये राज्य सरकार को सुझाव देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई लोगों को बर्खास्त किया है। धीरे-धीरे जांच आगे बढ़ेगी और जैसे ही अन्य लोगों के बारे में पता चलेगा उन्हें भी बर्खास्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नकल को रोकने के लिये सरकार आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक लेकर आ रही हैं, जिससे उसमें ऐसे प्रावधान किए जाए कि किसी की इस तरह की हरकतें करने की हिम्मत न हो। सरकार इसे बहुत गंभीरता से ले रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैं अपील करना चाहूंगा, चाहे पक्ष हो, विपक्ष हो या चाहे कोई व्यक्ति हो, आलोचना करना उनका अधिकार है, परंतु यह लाखों बेरोजगारों के भविष्य का सवाल है, इसमें हम ऐसे कोई रास्ते सुझाएं, सुझाव दें कि भविष्य में यह नौबत नहीं आए। मैं इन सुझावों का स्वागत करूंगा।' गौरतलब है कि पिछले साल सितंबर में अयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) का आयोजन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने किया था। पेपर लीक मामले में बोर्ड के अध्यक्ष डी पी जारोली को बर्खास्त कर दिया गया और बोर्ड के सचिव अरविंद कुमार और दो अन्य को राज्य सरकार ने शनिवार को निलंबित कर दिया।

राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर

ने साझा किया चैलेंज वीडियो, कहा- 'ये तो टीजर है'

भूमि पेडनेकर ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस कपल चैलेंज का वीडियो साझा किया है। बधाई दो में राजकुमार पुलिस अधिकारी शार्दूल और भूमि पीटी टीचर सुमन के किरदार में है। फिल्म की पटकथा लैवेंडर विवाह पर आधारित है।

फिल्म अभिनेता राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बधाई दो को लेकर चर्चा में है। कॉमेडी फैमिली ड्रामा से भरपूर यह फिल्म इस साल 11 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया था । अब रविवार को राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर कपल चैलेंज के कुछ सवाल का जवाब देते हुए एक दूसरे गेंदे के फूल मारते दिख रहे हैं। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर राजकुमार राव ने कैप्शन लिखा-% कपल चैलेंज में ये हाल है तो फिल्म में आप सोच ही सकते हैं क्या हुआ होगा। ये तो बस टीजर है..। वहीं इस वीडियो पर भूमि पेडनेकर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, और सच में आपके राजकुमार राव विजेता हैं।

फिल्म बधाई दो साल 2018 में आई आयुष्मान खुराना और सान्या मल्होत्रा की फिल्म बधाई हो की अगली कड़ी है। बधाई दो में अभिनेता राजकुमार राव और भूमि पेडणेकर के अलावा सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन मिश्रा, नितीश पांडे. शशि भूषण जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हर्षवर्धन कुलकर्णी निर्देशित फिल्म बधाई दो जंगली पिक्चर्स द्वारा निर्मित हैं।

बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीतने से चूके प्रतीक सहजपाल को गौहर खान और काम्या पंजाबी ने बताया असली विनर

बिग बॉस 15 की ट्रॉफी भले ही तेजस्वी प्रकाश ने जीती हो, लेकिन अगर दर्शकों का दिल किसी ने जीता है तो वह हैं प्रतीक सहजपाल।

प्रतीक सहजपाल शो के पहले रनर अप रहें। हालांकि बिग बॉस 15 की ट्रॉफी प्रतीक सहजपाल को न मिलने से उनके फैंस थोड़े उदास जरूर हैं, लेकिन उनका कहना है कि भले ही बिग बॉस 15 की ट्रॉफी तेजस्वी प्रकाश ने जीती हो, लेकिन उनके लिए असली विनर प्रतीक सहजपाल ही हैं और उन्होंने पूरे सीजन में अपना बहुत अच्छा प्रदर्शन दिया और पूरे शो में काफी बेहतर ढंग से खेला।

वहीं अभिनेत्री गौहर खान और काम्या पंजाबी ने भी प्रतीक सहजपाल पर प्यार बरसाते हुए उन्हें शो का असली विनर बताया है।गौहर खान ने ट्वीट कर लिखा-%अनाउंसमेंट के समय स्टूडियो में पसरे सन्नाटे ने सबकुछ कह दिया। बिग बॉस 15 जीतने का सिर्फ एक हकदार था

जिसे पूरी दुनिया ने निखरते देखा। प्रतीक सहजपाल तुमने दिल जीते। जो भी मेहमान बनकर घर में गया था, तुम उन सबके फेवरेट थे। तुम्हें लोगों ने प्यार दिया। हमेशा अपना सिर ऊंचा रखें।

वहीं अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने भी ट्वीट कर लिखा-प्रतीक सहजपाल आप मेरे विनर हो और हमेशा रहोगे। आपने बहुत अच्छा किया है। आपकी जर्नी और गेम और शो के प ति आपके पैशन से मुझे प्यार हो गया है। हमेशा खुश रहें, भविष्य के लिए बहुत सारा प्यार और दुआएं। काम्या पंजाबी और गौहर खान के साथ-साथ फैंस भी प्रतीक सहजपाल पर सोशल मीडिया के जरिये प्यार बरसा रहे हैं और उनका हौसला बढ़ाते हुए उन्हें ही अपना विनर बता रहे हैं।

गौरतलब है कि प्रतीक सहजपाल को बिग बॉस का बहुत मजबूत दावेदार माना जा रहा था।फैंस उन्हें बिग बॉस की ट्रॉफी जीतते हुए देखना चाह रहे थे। हालांकि प्रतीक ने बिग बॉस 15 में सभी कंटेस्टेंट को कड़ी टक्कर दी, इसके बावजूद वह शो की ट्रॉफी जीतने में असफल रहें। लेकिन फिर भी उन्होंने दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल की है।

संजय दत्त के साथ फिर काम करेंगे सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के माचो हीरो सुनील शेट्टी एक बार फिर संजय दत्त के साथ काम करते नजर आयेंगे।

सुनील शेट्टी और संजय दत्त एक बार फिर साथ में एक फिल्म में काम करने जा रहे हैं। लंबे अरसे के बाद सुनील शेट्टी और संजय दत्त साथ नजर आयेंगे। इस फिल्म को समीर कार्णिक निर्देशित कर रहे हैं।

सुनील शेट्टी ने कहा, मुझे खुशी है कि बाबा और मैं इतने सालों के बाद किसी फिल्म के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम इस फिल्म में अपनी उम्र का किरदार निभा रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट बहुत शानदार है। दर्शकों ने हमें अभी तक माचो रोल में देखा है। इस बार हम कॉमेडी रोल में सबके सामने आ रहे हैं।

बोनी कपूर ने हेमा मालिनी के साथ थ्रोबैक तस्वीर शेयर की

बॉलीवुड फिल्मकार बोनी कपूर ने हेमा मालिनी के साथ सोशल मीडिया पर थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है। बोनी कपूर अक्सर सोशल मीडिया पर थ्रोबैक तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। इसी कड़ी में बोनी ने अब हेमा मालिनी के साथ अपनी एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की है।

बोनी कपूर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की है जो फिल्म महबूबा की शूटिंग के वक्त की है। फिल्म के सेट का लोकेशन बैंगलोर के पास का है। तस्वीर में बोनी कपूर, हेमा मालिनी और कुछ जूनियर अर्टिस्ट साथ में खड़े नजर आ रहे हैं।

पोस्ट शेयर करते हुए बोनी कपूर ने लिखा, शक्तिदा (शक्ति सामंत) द्वारा कॉन्ट्यूनिटी असिस्टेंट के रूप में प्रोमोटेड महबूबा की शूटिंग के दौरान हेमाजी के साथ बैंगलोर के पास 1976 में।

जूनियर एनटीआर के साथ तेलुगु फिल्म में काम करेगी

आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ तेलुगु फिल्म में काम करती नजर आयेंगी।

आलिया भट्ट ने एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म 'आरआरआर' में जूनियर एनटीआर के साथ काम किया है। आलिया भट्ट ने एक और तेलुगु फिल्म साइन कर ली है। आरआरआर के बाद जूनियर एनटीआर और आलिया में भी काफी अच्छी दोस्ती हो गई है।

बताया जा रहा है कि आलिया भट्ट इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ नजर आयेंगी।इस फिल्म को कोरताला शिवा निर्देशित कर रहे हैं। शिवा जूनियर एनटीआर के दोस्त हैं। इससे पहले दोनों ने साथ में ब्लॉकबस्टर फिल्म जनता गैराज में काम किया है।

दुल्हनिया मौनी रॉय का ससुराल में हुआ गृह प्रवेश, हुई आलता और अंगूठी की रस्म

हाल ही शादी के बंधन में बंधीं मौनी रॉय का ससुराल में जोरदार स्वागत हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। मौनी रॉय ने 27 जनवरी को बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ गोवा में सात फेरे लिए थे। शादी के बाद जब मौनी मुंबई लौटीं तो वह एयरपोर्ट लाल रंग की सिल्क साड़ी, मांग में सिंदूर और मंगलसूत्र ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मौनी रॉय का ससुराल में शानदार स्वागत किया गया, जिसकी झलक ऐक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए गए वीडियो में दिखाई है।

ससुराल में गृह प्रवेश की यह रस्म 30 जनवरी की रात हुई। शेयर किए गए वीडियो में मौनी रॉय आलता से रंगे अपने पैरों से घर में छाप छोड़ती नजर आ रही हैं। वह आलता लगे पैरों में गृह प्रवेश करती हैं। इस दौरान वह थोड़ी भावुक

भी हो गईं। मौनी की गृह प्रवेश रस्म के दौरान सूरज नांबियार और उनके दोस्त डांस कर रहे थे।

गृह प्रवेश के बाद मौनी रॉय और सूरज नांबियार की अंगूठी की रस्म भी हुई। इसमें दूल्हा-दुल्हन दूध और गुलाब की पंखुड़ियों भरे बर्तन में अंगूठी खोजते नजर आए। इस रस्म में मौनी अंगूठी ढूंढने में कामयाब हो जाती है और वह जीत जाती हैं।

इसके बाद न्यूली वेड कपल ने घर पर एक शानदार पार्टी रखी, जिसमें अर्जुन बिजलानी अपनी वाइफ के साथ शामिल हुए। अन्य दोस्त भी थे, जिनके साथ मौनी और सूरज नांबियार ने खूब इंजॉय किया।

विक्की कौशल ने साझा की टीम इंडिया अंडर-19 विश्व कप से जुड़ी मजेदार पोस्ट

फिल्म अभिनेता विक्की कौशल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हैं।

लेकिन इस बार विक्की ने इससे अलग एक मजेदार पोस्ट फैंस के साथ साझा किया है। दरअसल विक्की कौशल ने शनिवार को हुए अंडर 19 विश्व में हुए भारत बनाम बांग्लादेश के मैच के स्कोर बोर्ड पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

इस स्कोर बोर्ड को अभिनेता ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है, जिसमें भारतीय गेंदबाजों द्वारा आउट किए खिलाड़ियों और गेंदबाजों के नाम दिख रहे हैं। स्कोर बोर्ड में विक्की ओस्तवाल और कौशल तांबे के शुरुआती नामों को स्क्रीन पर देख सोशल मीडिया पर अभिनेता विक्की कौशल के मीम्स तेजी से वायरल होने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मीम्स ने विक्की का ध्यान आकर्षित किया और इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर मैच के स्कोर बोर्ड की तस्वीर शेयर कर लिखा- %आज स्पैमिंग के लिए इंटरनेट का धन्यवाद। टीम इंडिया अंडर 19 को शुभकामनाएं।

विक्की कौशल का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बॉलीवुड में मसान, राजी, संजू, उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, सरदार उधम सिंह आदि फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुके विक्की कौशल जल्द ही फिल्म गोविंदा नाम मेरा और द ग्रेट इंडियन फैमिली में नजर आएंगे। इसके अलावा वह अभिनेत्री सारा अली खान के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म में भी नजर आएंगे।

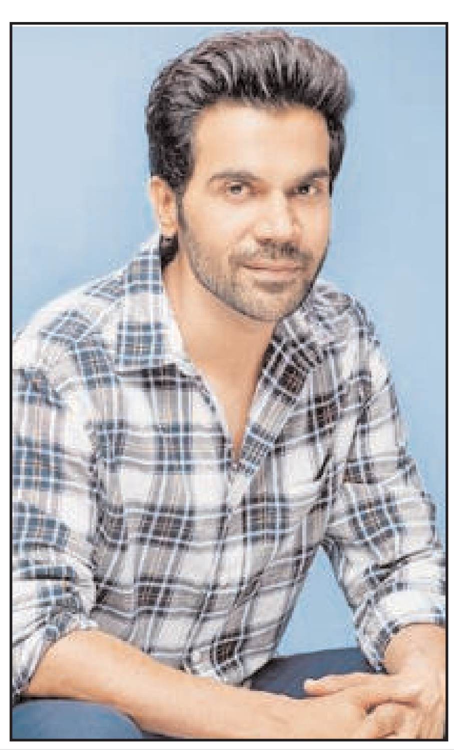

राज और डीके की कॉमेडी-थ्रिलर सीरीज 'गन्स और गुलाब्स' में काम करेंगे

राजकुमार राव

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता राजकुमार राव निर्माता-निर्देशक जोड़ी राज निदीमोरू और कृष्णा डीके की कॉमेडी-थ्रिलर सीरीज गन्स और गुलाब्स में काम करते नजर आयेंगे।

निर्माता-निर्देशक जोड़ी राज निदीमोरू और कृष्णा डीके ने अपनी अगली नेटफ्लिक्स सीरीज गन्स और गुलाब्स की घोषणा की है। इस सीरीज में राजकुमार राव की मुख्य भूमिका होगी। यह दूसरा मौका होगा जब राजकुमार राव, निर्देशक जोड़ी डीके और राज के साथ काम करेंगे। इससे पहले वह फिल्म स्त्री के लिए साथ आए थे।

गन्स और गुलाब्स सीरीज में राजकुमार राव, आदर्श गौरव और दुलकर सलमान नजर आएंगे। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

जो संकट का साथी है, वही असली साथी है, शेष तो अवसरवादी हैं : सीएम योगी

पांच साल तक जो बिलों में थे, चुनाव आते ही फिर सिर उठाकर गर्मी दिखाने का प्रयास कर रहे हैं

■ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में आपने देखा होगा, विपक्ष के नेता जब घर में बैठे हुए थे, तब मैं, हमारे मंत्री, हमारे पदाधिकारी, एक एक व्यक्ति के जीवन को बचाने के लिए, वहां तक शासन की योजना पहुंचाने के लिए, उनकी सहायता करने के लिए कार्य कर रहे थे। जो संकट का साथ ही है, वही असली साथी है, शेष तो अवसरवादी हैं। सीएम योगी ने बुलंदशहर जिले में महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल और शिकारपुर में प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने सेठ सूरजमल जठिया राजकीय कोविड चिकित्सालय का निरीक्षण किया और अस्पताल में भर्ती संक्रमितों का कुशलक्षेम भी जाना। सीएम योगी ने कहा कि दो विधानसभा क्षेत्रों के माध्यम से पूरे बुलंदशहर वासियों का विशेष रूप से आह्वान करने के लिए आया हूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किस-किस प्रकार के लोगों को पिछली सरकारें प्रश्रय देती थीं। पांच साल तक जो अपने बिलों के अंदर दबे हुए थे, चुनाव आते ही फिर सिर उठाकर गर्मी दिखाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनको यह नहीं मालूम 10 मार्च के बाद यह गर्मी शांत हो जाएगी। क्योंकि डबल इंजन की सरकार में माफिया, अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। यहां पर तो सुरक्षा सबको, सम्मान सबको, लेकिन तुष्टीकरण किसी का नहीं। गरीब की सुनवाई होगी। महिलाओं की सुरक्षा होगी, नौजवानों के लिए रोजगार होगा और किसान के उन्नयन के लिए कार्य होगा। यही भाजपा की पहचान है, लेकिन बेटी की सुरक्षा के साथ किसी ने प्रयास किया तो अगले दिन उसके गले में तख्ती लटकती हुई दिखाई देगी। इस दौरान मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, अनिल शर्मा, सांसद भोला सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अतुल तेवतिया, जिला प्रभारी सुनीता दयाल और जिलाध्यक्ष अनिल सिसौदिया आदि मौजूद थे।

जब बिजली देंगे ही नहीं, तो फ्री करेंगे कहां से, वह तो फ्री ही हुई : सीएम

सीएम योगी ने कहा कि क्या सपा सरकार में बिजली मिलती थी। ये तो अंधेरे में रहने के अभ्यस्त हैं। ये तो बिजली देंगे ही नहीं, तो फ्री करेंगे कहां से। वह तो फ्री ही हुई, जब देंगे ही नहीं तो। सपा मुखिया यही बोलते हैं कि मेरे पास एक नया अर्थशास्त्र है। अगर अर्थशास्त्र ही पढ़े होते, तो दुनिया में किसी वर्ल्ड बैंक में होकर अर्थशास्त्री होते। उत्तर प्रदेश के लिए अनर्थकारी नहीं बनते। जो लोग बिजली ही नहीं देते थे, वह आज फ्री में बिजली की बात कर रहे हैं। हमने बिना भेदभाव के बिजली देने का काम किया है। सुरक्षा सबको दी है। दंगा मुक्त प्रदेश बनाया है। भय मुक्त प्रदेश बनाया है और विकास भी दौड़ता हुआ दिखाई दिया।

सीएम योगी ने कहा कि कुछ चीजें हैं, जिस पर कार्य कर रहे हैं। जैसे धनगढ़ और बघेल समाज की समस्या का समाधान है। जैसे, अहेरिया समाज को अनूसुचित जाति में शामिल करने की कार्यवाही है। हमने भारत के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखा है और उनसे इस बात का आग्रह किया है कि इनके साथ न्याय होना चाहिए। इसी प्रकार से मीणा समाज की समस्या। समस्या का समाधान ही सरकार है। अच्छी सरकार समाधान करेगी। समस्या का समाधान अच्छे जनप्रतिनिधि करेंगे।

सीएम ने कहा कि अपने पराए का भेदभाव वह लोग करते हैं, जिनके लिए अपना परिवार ही प्रदेश था। कांग्रेस की सरकार आती थी, तो भाई-बहन की पार्टी हो जाती थी। बहुजन समाज पार्टी की सरकार आती थी, बुआ-भतीजे की पार्टी हो जाती थी। सपा की सरकार आती थी, तो चाचा-भतीजा झोला लेकर वसूली के लिए निकल पड़ते थे, लेकिन पिछले पांच वर्षों में आपने देखा होगा, उनके लिए अपना परिवार ही सब कुछ था। हमारे लिए प्रदेश की 25 करोड़ जनता ही परिवार थी। इसलिए उनके सुख-दुख में सहभागी बना। सीएम ने कहा कि गरीबों की मदद में विपक्ष का कोई सहयोग नहीं मिलता था। शांति और सौहार्द्र में उनका सहयोग नहीं मिलता था, लेकिन कांग्रेस, सपा, बसपा तीनों एकजुट होकर कार्य करते हैं, तब जब गरीब के हक पर डकैती डालनी हो। तब तीनों में कोई दुराव नहीं होता। तीनों को इस कार्य करने में महारत हासिल हैं। उनकी संवेदना गरीब, कमजोर, दलित, वंचित और महिला सुरक्षा के लिए नहीं है।

विधायक के साथ साथ आप मंत्री बनें:अनिल पाण्डेय

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। मेजा विधायक नीलम करवरिया को मेजा विधानसभा

से पुनः बीजेपी प्रत्याशी घोषित किए जाने पर गंगा समग्र यमुनापार के संयोजक अनिल पांडेय एवं हिमांशु शुक्ल के द्वारा ऋषि केश से लाया गया गंगाजल कलश एवं अंगवस्त्रम भेंट कर अग्रिम जीत की शुभकामनायें दी।

बता दें कि मेजा विधानसभा का प्रत्याशी घोषित होने पर पांडे जी ने कहा की आप के ऊपर मां गंगा का आशीर्वाद बना रहे, आप विधायक ही नही मंत्री बने।

जिसमें कार्यालय के समस्त कार्यकार्तागणों के साथ तमाम गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी महानगर अध्यक्ष मुर्तजा अली ने की बैठक

संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 31/1/2022 के बिधानसभा चुनाव और मध्य विधानसभा के विस्तार को लेकर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के महानगर

अध्यक्ष जनाब मूर्तज़ा अली साहब ने बैठक की जिसमे आल इंडिया घोसी समाज के जिला उपाध्यक्ष ने प्रसपा ज्वाइन करने तथा मूर्तज़ा साहब के साथ जुड़ने का संकल्प किया बैठक मे नगरसचिव श्री आशीष जी,अमीर अहमद, मोहद आमिर घोसी मोहम्मद नसीम, रुस्तम भाई, आदिल भाई, मोहम्मद मुकर्म,अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम ने चुनावों के मद्देनजर प्रेक्षकगणों की बिठाई सभा

■ बिजनौर

विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 को पूर्ण रूप से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र रूप से सम्पन्न कराने के लिए मा0 प्रेक्षकगणों की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन द्वारा की जाने वाली निर्वाचन सम्बन्धी तैयारियों की समीक्षा बैठक आहूत की गई। इस अवसर पर सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त मा0 प्रेक्षकगण, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डा0 धर्मवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के0पी0 सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर डा0 प्रवीण रंजन सहित अन्य अधिकारी एवं लाइजन आाफिसर मौजूद थे। समीक्षा के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को निर्वाध एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा की जाने वाली तैयारियों का बिन्दुवार जायजा लिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से मा0 प्रेक्षकगणों को विस्तृत रूप से निर्वाचन एवं मतदान के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन कराने की व्यवस्था, मतदान कार्मिकों की उपलब्धता एवं उनका प्रशिक्षण, उपलब्ध नए मतदाता पहचान पत्रों का संबंधित को प्रेषण, मतदान पार्टियों के रवानगी स्थलों की जानकारी, इवीएम एंव वीवीपेट की उपलब्धता एवं निरीक्षण, पुलिस एक्शन, सुरक्षा व्यवस्था संबंधी तैयारियों आदि की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई।

मा0 प्रेक्षकगण ने कहा कि निर्वाचन की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया मतदान को सुव्यस्थित एंव पूर्ण दक्षता के साथ सम्पन्न कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि द्वितीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मतदान कार्मिकों से इस आशय का प्रमाण पत्र लिया जाए कि उसने प्रशिक्षण को पूरी तरह ग्रहण किया है और उसे संबंधित कार्य में पूरी दक्षता प्राप्त हो चुकी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मतदान केन्द्रों पर कोविड-19 की सुरक्षा के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली बायोमेडिकल वेस्ट की समुचित व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें और किसी भी मतदान केन्द्र पर बायो मेडिकल वेस्ट न पाया जाए। मा0 प्रेक्षकगणों द्वारा यह भी निर्देश दिए गए कि निर्वाचन से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के दृष्टिगत ऑर्जवर्स का व्हाट्सअप ग्रुप तैयार कराएं और उस पर अद्यतन एवं महत्वपूर्ण सूचनाओं को प्रेषित करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि वोटर्स प्रलोभन, शराब तस्करी, आदि की घटनाओं पर कड़ी नज़र रखें और शराब के गोदामों एवं दुकानों की नियमित रूप से चैकिंग सुनिश्चित कराएं।

जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद संप्रदायवाद विपक्ष का चुनाव जीतने का फार्मूला रहे हैं : डा. दिनेश शर्मा

■ लखनऊ / शाहजहांपुर

उपमुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा ने कहा कि धोखा फरेब जातिवाद, परिवारवाद सम्प्रदायवाद विपक्ष के लिए चुनाव जीतने का फार्मूला था। जुमलों और झूठ के हथकंडों के सहारे चुनाव जीतने की उनकी चाल अब कामयाब नहीं हो पा रही हैं। अब हर घर में मोदी और योगी सरकार ने अपने कार्यो से जगह बना ली है। जो भाजपा को वोट नहीं भी देते थे वे भी इस बार भाजपा को वोट देते दिखाई देंगे। शाहजहांपुर जनपद के कटरा एवं तिलहर विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग आयोजित प्रभावी मतदाताओं से संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि आज एक बार फिर माफिया गुन्डे मवाली सूबे की शान्ति को भंग करने का प्रयास कर सकते हैं। पिछली सरकारों के दौरान साम्प्रदायिकता का नंगा नाच करने वालों के गुर्गे मकानो पर कब्जा करते थे। माताओं बहनों के साथ अशिष्ट व्यवहार करते थे। शाम से माताएं बहने घरों से बाहर निकलने में डरती थीं। लोग पलायन करने को मजबूर थे। भाजपा सरकार में पलायन कराने वाले खुद पलयान कर गए थे। माफिया यूपी छोडकर भाग गए थे। ऐसे लोग वापस नहीं आने चाहिएं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों में परिवारवाद हावी है। पार्टी के अध्यक्ष पद पर केवल परिवार विशेष का ही व्यक्ति बैठता है। कांग्रेस में गांधी अथवा वाड्रा परिवार तो सपा में एक ही परिवार का व्यक्ति ही अध्यक्ष बन सकता है। भाजपा में जब भी अध्यक्ष के बारे में पता किया जाएगा तो मालूम होगा कि साधारण कार्यकर्ता ही पार्टी का प्रधान है। वे सभी परिवारवादी पार्टियां हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक परिवार है जो सभी के लिए कार्य करता है । यह सपा सुप्रीमो का परिवार अथवा कांग्रेस के गांधी परिवार अथवा बहन जी का परिवार नहीं है जो सिर्फ अपने लिए काम करते हैं। इन दलों में बाजार की सी व्यवस्था है जहां पर सब कुछ बिकाऊ है। कुछ दलों में तो टिकट भी बिकाऊ है। राजनीति में शुचिता खत्म हुई है मापदण्ड बदल गए है पर इनके बीच में भाजपा ने आशा की किरण जगाई है। डा शर्मा ने कहा कि कुछ लोग ऐसे भी है जो प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेने की जगह ईर्ष्या करते हैं।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने थामा राष्ट्रीय लोक दल का दामन

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर मसूद अहमद एवं टीम आर0एल0डी0 के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम मिश्रा की उपस्थिति में भाजपा युवा मोर्चा के नेता सुमित जयसवाल व पियूष श्रीवास्तव के साथ भा ज पा के सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ0 जयंत सिंह के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुये रालोद का दामन थामा। अनुपम मिश्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्राण- पण से रालोद व गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए संगठन की मज़बूती पर बल दिया ।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी, रमावती तिवारी, एस0के0 श्रीवास्तव, शिवकुमार यादव,आशीष तिवारी,लकी पांडेय मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में मोहित वर्मा, संतोष सिंह, कुलदीप कनौजिया, विनय कुमार, प्रदीप दुबे, नंद किशोर सक्सेना, लियाकत हुसेन, फरीदउउदीन, अलीमउददीन, हबीब बे, पार्थ तिवारी, प्रशांत वर्मा, कृष्णा शुक्ला, मुकेष कनौजिया, मोहसिन कनौजि।

ज़ैदपुर से तनुज पुनिया को सपा बनाएगी अपना प्रत्याशी

इस पर क्या रही तनुज की पर्तिकिर्या, हमसे हुई बातचीत

संवाददाता

बाराबंकी । यूपी विधानसभा चुनाव में हर रोज़ नए मोड़ सामने आ रहे हैं, जिस में कुछ हक़ीक़त तो कुछ अफवाह होतें हैं, जैसे आज कल बाराबंकी की ज़ैदपुर विधानसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया को सपा से जोड़ा जा रहा है, समाजवादी पार्टी ज़ैदपुर सीट से तनुज पुनिया को अपना प्रत्याशी बनाने के लिए उनसे बातचीत कर रही है ।

हमसे बातचीत के दौरान तनुज पुनिया ने इस बात को महज़ अफवाह बताया है, और कहा है कि हम कांग्रेस पार्टी कि तरफ से चुनाव लड़ रहे हैं, इस लिए पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता, क्या समाजवादी पार्टी की ओर से आप को कोई ऑफर मिला है, हमारे इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि, सपा कि ओर से तो 2017 से हमको ऑफर किया जा रहा है, मगर कांग्रेस छोड़ कर सपा में शामिल होने का हमारा कोई इरादा नहीं है, तो फिर आज कल जो चर्चाएं हो रही हैं कि इस बार भी सपा के लोग आपसे बात कर रहे हैं, इस पर तनुज पुनिया ने कहा है कि इस बार सपा के किसी नेता या पताधिकारी ने हम से कोई बात नहीं की है ।

चुनाव उत्तर प्रदेश के संसाधनों की लूट की कहानी थी, कहानी युवाओं और नौजवानों की नौकरियों की लूट की थी

हमने यूपी का मान बढ़ाया, सपा वालों ने बदनाम किया: ब्रजेश पाठक

■ लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को प्रदेश कार्यालय पर हुई प्रेसवार्ता में कहा कि कुछ लोग बदलाव-बदलाव की बात कर रहे हैं। मेरा उनसे सीधा सवाल है उनको बड़ी शिद्दत और उम्मीद से 2012 में कुर्सी पर बिठाया था। लेकिन उन्होंने क्या किया? जनता को सब याद है। उन्होंने वादों की पोटली को कचरे के डिब्बे में डाल दिया। उन्होंने एक नई कहानी लिखी जो बदलाव की नहीं बदनाम करने की थी। उत्तर प्रदेश के संसाधनों की लूट की कहानी थी, कहानी युवाओं और नौजवानों की नौकरियों की लूट की थी, कहानी गुंडों, दंगाइयों, बलवाइयों के अत्याचार की थी। हद तो तब हो गई जब इन्होंने बलात्कारी को कैबिनेट में बिठाया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा राज में घोटालों की कहानी गढ़ी गई। कोई नहीं भूला है खनन घोटाला, पेंशन घोटाला, छात्रवृत्ति घोटाला, राशन घोटाला, लैपटॉप घोटाला, शुल्क प्रतिपूर्ति घोटाला, कन्या विद्याधन घोटाला, रिवर फ्रंट घोटाला, नोएडा अथॉरिटी को भी आपने गिरवी रख दिया था। और तो और लोहिया जी के नाम पर भी घोटाला कर दिया। लोहिया ग्राम घोटाला याद है न। बताया कि इन्होंने दंगों का वास्तविक मंचन किया। सबको याद है 700 से ज्यादा दंगे, कुछ याद दिलाता हूं। मुजफ्फरनगर दंगा, सहारनपुर दंगा, मथुरा दंगा, मऊ दंगा, लखनऊ में भी सपाई दंगाई क्या कर रहे थे? हो सकता सपा मुखिया भूल गए हों, लेकिन यूपी की जनता नहीं भूली है। सबको याद है, गरीब को पेट की रोटी के लिए तरसाया, पक्के मकान के लिए भटकाया, अस्पताल में इलाज से भगाया, बिजली कनेक्शन के लिए दौड़ाया गया। सबको याद है कि बहू-बेटियां घर से निकलीं तो गुंडों ने उन्हें डराया।

दंगाइयों को बिरियानी खिलाया। गुंडों, हत्यारों, बलात्कारियों को मंत्री बनाया। यह उत्तर प्रदेश का कोई निवासी भूला नहीं है। कैसे दंगाइयों को सम्मानित किया गया। उन्हें राजनैतिक और प्रशानिक पदों पर बिठाया गया। यह कोई नहीं भूला है। 2017 के बाद जो बदलाव आया है वह सबने देखा है। पूरी तरह से फर्क साफ है। भाजपा नेता अपर्णा यादव जी ने कहा कि बदलाव तो 2017 में हुआ, इससे पहले यूपी खतरे में था। जनता ने भाजपा को जिताया सरकार बनाई तो असली बदलाव आया। क्योंकि हमारे पास संकल्प और अच्छी नीयत दोनों थी। सबने देखा है कि यूपी में 5 साल में एक भी घोटाला नहीं हुआ, 5 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ, 47 हजार से ज्यादा भूमाफिया और गुंडे जेल में हैं, 2000 करोड़ की अवैध संपत्तियो पर बुलडोजर चला, युवाओं नौजवानों को बिना सिफारिश नौकरी मिली, आज यूपी में 39 नए मेडिकल कॉलेज बन गए। यूपी में हर गरीब को आयुष्मान का स्वास्थ रक्षा कवच, 5 साल में 43 लाख लोगों को पक्का घर मिला, 2.5 करोड़ शौचालय, 2 करोड़ गैस कनेक्शन, 15 करोड़ लोगों को डबल राशन मुफ्त मिल रहा है, 1.41 करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन मिला। अब बहू-बेटियों को डर नहीं लगता, क्योंकि यूपी में बीजेपी की सरकार है। अपराधी पलायन कर गए हैं। क्योंकि यूपी में बीजेपी की सरकार है, गुंडाराज, भ्रष्टाचार, दंगाराज से मुक्त प्रदेश भाजपा की सरकार में है। कहा कि कांग्रेस के टिकट पर क्या केवल यूपी में ही लड़की लड़ सकती है। पंजाब में कांग्रेस की महिला अध्यक्ष भी अब सवाल उठा रही है। वहां महिला कांग्रेस की 12 कार्यकर्ताओं ने टिकट मांगा था एक को भी नहीं मिला। प्रियंका जी आप कैसे लड़की को लड़वाएंगी।

भाजपा राज में समाज का हर वर्ग दुश्वारियां झेल रहा: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में समाज का हर वर्ग दुश्वारियां झेल रहा है। किसान नौजवान के हालात तो बद से बदतर होते जा रहें हैं। जनसामान्य और महिलाएं असुरक्षाग्रस्त हैं। सिर्फ सत्ता संरक्षित अपराधी बेखौफ हैं। उनका एक मात्र आश्रय स्थल भाजपा है जहां उन्हें हर तरह की सुरक्षा एवं सम्मान प्राप्त है। खुद सत्तारूढ़ भाजपा में अपराधिक छवि के प्रत्याशियों का शतक पूरा होने में बस एक की कमी रह गई है। अब तक भाजपा द्वारा अपराधी छवि के 99 उम्मीदवारों को टिकट बांटे जा चुके हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चुनाव का एजेंडा बदलना चाहती है। समाजवादी संविधान के साथ है। भाजपा को लोकतंत्र, संविधान और समाजवाद इन तीनों से परहेज है। गांधी जी अंत्योदय के हिमायती थे भाजपा गरीबों के विरूद्ध साजिश रचती है। उसका पूरा रवैया नकारात्मक सोच से भरा है।

चार दशकों के अध्याय में सिमट गया राजा का इतिहास

संवाददाता

निरीहों के हमदर्द, खांटी समाजवादी, दरियाबाद की जनता के प्रतिनिधि पूर्व मंत्री राजा राजीव कुमार सिंह अब नहीं रहे। सोमवार को सुबह में उनका निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

राजीव कुमार सिंह राजनीति में साफगोई, सादगी के पर्याय व्यक्तित्व थे। वह पद के अहंकार से सदैव बचकर रहे। राजनीति में विरले ही लोग देखे है

जो राजा जैसे सहज हों। राजा के जाने के साथ ही जमीन से जुड़ी राजनीति के एक भरे पूरे अध्याय का पटाक्षेप हो गया। हालांकि वह एक लंबे समय से बीमार थे। हर क्षण लोगों के लिए सुलभ रहने वाले पूर्व मंत्री एवं आमजन के विधायक राजा राजीव कुमार सिंह के निधन की खबर से हर कोई अवाक रहा। वह काफी समय से बीमार चल रहे थे। हाल ही में मेदांता में इलाज के लिए भर्ती हुए थे जहां आज उनका निधन हो गया। सोमवार को अचानक आई उनके निधन की खबर से नहीं को हतप्रभ कर दिया। राजा राजीव कुमार सिंह का सियासी सफर 1985 से दरियाबाद विधायक के रूप में शुरू हुआ। वह छह बार दरियाबाद विधानसभा से विधायक रहे। उनकी आम जनता में गहरी पैठ थी। अखिलेश सरकार में कृषि राज्यमंत्री बने तो सोनू यादव के साथ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय पर कई बार मिलना हुआ। जहां हर क्षण क्षेत्र के लोगों का जमावड़ा लगा रहता था। विनम्र, शालीन और आत्मिक व्यक्तित्व वाले राजा हमेशा जनता के लिए समर्पित रहते थे। ऐसे शख्स की कमी अब लोगों को खलेगी। राजा राजीव कुमार सिंह से जब भी नरही स्थित आवास पर सोनू यादव के साथ मिलने जाता वह फौरन ही नीचे आकर स्वागत सत्कार करते। उनकी हाजिर जवाबी लाजवाब थी। बिना कुछ खिलाए कभी आने ही न देते। सोनू के साथ हमेशा उनका आत्मीय रिश्ता रहा। वह सोनू को हमेशा अपने पुत्र की तरह स्नेह करते थे।राजीव कुमार सिंह की एक खास बात रही कि वह अपनी बेबाकी के लिए हमेशा जाने जाते रहे। जो सही लगा उसे स्वीकार किया, समर्थन किया अन्यथा जहां कहीं कुछ गड़बड़ी नजर आई तपाक से उसका मुखर विरोध किया। हाल ही में जब अखिलेश यादव ने उनका टिकट काट दिया तो वह लखनऊ से दरियाबाद आए और अपने समर्थकों का जमावड़ा किया। तब उन्होंने सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को चेताया कि राजा अभी बूढ़ा नही हुआ। हालांकि उस वक्त भी उनकी तबीयत बहुत अच्छी नहीं थी। लोग उन्हें रोकते रहे। समझाते रहे कि आप आराम करें।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते हैदराबाद एफसी के बार्थोलोम्यू ओगबेचे

एएफसी विमेंस एशियन कप : फिलीपींस ने चाइनीज ताइपे को हराकर रचा इतिहास

पुणे। फिलीपींस ने पेनाल्टी शूटआउट के आधार पर चाइनीज ताइपे को 4-3 से हराकर रविवार रात यहां खेले जा रहे एएफसी विमेंस एशियन कप इंडिया 2022 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एक्स्ट्रा टाइम तक दोनो टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। यह फिलीपींस के लिए दोहरी खुशी का पल था। इस दक्षिण पूर्व एशियाई देश के लिए न सिर्फ एएफसी विमेंस एशियन कप के सेमीफाइनल में पहला प्रवेश था बल्कि उसने पहली बार फीफा महिला विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया।

उधर, फीफा विश्व कप खेलने की चाइनीज ताइपे की उम्मीदें इस बात पर कायम होगी कि वह तीन टीमों के प्लेऑफ में कैसा खेल दिखाता है, जिसमें से राउंड रोबिन प्रतियोगिता के टाप में आने वाली विश्व कप खेलेगी और बाकी दो टीमें इंटर-कंफेडरेशन प्लेऑफ में खेलेंगी।

ग्रुप-ए और बी में दूसरे स्थान पर रहीं चाइनीज ताइपे और फिलीपींस की टीमों के बीच के मुकाबले में प्रतिस्पर्धा अच्छी देखी गई। पहले हाफ में कोई गोल नहीं हुआ। हालांकि दोनों टीमों ने कुछ अच्छे मौके गंवाए। पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर जाने के बाद फिलीपींस ने हालांकि 49वें मिनट में बढ़त हासिल की। उसके लिए मैच का पहला गोल क्वीनले क्वेजादा ने किया। ऐसा लग रहा था कि मैच इसी स्कोर पर समाप्त होगा और फिलिपींस सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा लेकिन 82वें मिनट में 25 गज से एक झन्नाटेदार किक पर गोल करते हुए झुओ ली-पिंग ने मुकाबले का रुख बदल दिया। अंतिम पलों में दोनों टीमों के बीच आगे निकलने की जबरदस्त होड़ हुई लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली।

निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 रहा। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में खेल हुआ। शुरुआती 15 मिनट भी गोलरहित रहा और फिर एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे चरण में भी गोल नहीं हुआ। इसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया जाना था, जिसमें फिलीपींस ने 4-3 से बाजी मारते हुए अपने लिए इस मैच को कभी नहीं भूलने वाला बना दिया।

श्रीलंका पांचवें स्थान के प्लेऑफ में, स्कॉटलैंड को हराकर 13वें स्थान पर रहा युगांडा

नॉर्थ साउंड। दुनिथ वालालगे की कप्तानी पारी से श्रीलंका ने दक्षिण अफ्रीका को 65 रन से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के पांचवें स्थान के प्लेऑफ में जगह बनायी।

टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले वालालगे ने इस मैच में बल्ले से कमाल दिखाया तथा 130 गेंदों पर 113 रन की पारी खेली जिससे श्रीलंका ने छह विकेट पर 232 रन बनाये। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 167 रन पर आउट हो गयी।

वालालगे ने शीर्ष क्रम लड़खड़ाने के बाद रानुदा सोमारत्ने (नाबाद 57) के साथ पांचवें विकेट के लिये 130 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाये। उसकी तरफ से गेरहार्ड मारी ने सर्वाधिक 44 रन बनाये।

उधर युगांडा ने बारिश से प्रभावित मैच में स्कॉटलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से 51 रन से हराकर 13वां स्थान हासिल किया।

एएफसी विमेंस एशियन कप: वियतनाम को हराकर चाइना पीआर ने खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा

नवी मुम्बई। चाइना पीआर ने रविवार शाम को यहां नवी मुम्बई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए एएफसी विमेंस एशियन कप इंडिया 2022 के क्वार्टर फाइनल में वियतनाम को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और साथ ही रिकॉर्ड अपना नौवां खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा।

शुआंग वांग, फॉरवर्ड शेनशेन वांग और तांग जियाली आठ बार की चैम्पियन चाइना पीआर के लिए स्टार खिलाड़ी रहीं। सेमीफाइनल में अब चाइना पीआर का सामना डिफेंडिंग चैंपियन जापान से होगा। चाइना पीआर ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में होने वाले फीफा महिला विश्व कप में भी अपनी जगह पक्की कर ली। इस बीच, वियतनाम अब प्लेऑफ के जरिए फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगा।

स्टील रोजेज नाम से मशहूर चाइना पीआर ने अपने ग्रुप चरण के मैचों में एक भी गोल नहीं खाया था और टीम ने सभी मैच जीते थे। वहीं, वियतनाम सेमीफाइनल में पहुंचकर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में होने वाले फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रचने के करीब था।

वियतनाम के कोच माई डुक चुंग ने फॉरवर्ड फाम हुइन्ह को आराम दिया था। लेकिन टीम ने शुरुआती मिनटों में ही खुद को दबाव में पाया। वांग शुआंग ने सातवें मिनट में एक बड़ा हमला बोला, लेकिन गोल को ऑफसाइड करार दे दिया गया। इसके दो मिनट बाद ही तांग जियाली का हेडर से लगाया गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया। बॉल पजेशन में पीछे रहने बावजूद, वियतनाम ने 11वें मिनट में गोल करने का पहला मौका बनाया। मिडफील्डर टूयेत डुंग थि एनगयेन ने गोलकीपर यू झू की बायीं ओर से बॉल को नेट में पहुंचाकर टीम का खाता खोल दिया।

चाइना पीआर ने इसके बाद तुरंत एकजुट होकर गोल करने का अपना संघर्ष जारी रखा। लेकिन वांग शुआंग, जियाली और वांग झियाओझुए मौके को भुनाने से चूक गईं। हालांकि आठ बार की चैंपियन ने 25वें मिनट में जाकर बराबरी हासिल कर ली। वांग शेनशेन से चूकने के बाद वांग शुआंग ने गोल करके टीम को बराबरी दिलाई।

दूसरे हाफ में चाइना पीआर अलग नजर आई क्योंकि उसने 52वें मिनट में फॉरवर्ड वांग शेनशेन के गोल की मदद से बढ़त बना ली। इसके एक मिनट बाद ही तांग ने वियतनाम की डिफेंस में सेंध लगाते हुए चाइना पीआर को 3-1 से आगे कर दिया और स्कोरशीट पर अपना लिखवा लिया। 88 वें मिनट में ली मेंग्वेन बॉल को हैंड टच कर बैठीं और वियतनाम को पेनल्टी मिल गई। लेकिन गुयेन थि बिच थूय इस पर गोल दागने से चूक गई और बॉल बार से टकराकर ऊपर चला गया। इस जीत के बाद चाइना पीआर ने खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा है।

भारत में टी20 श्रृंखला के लिये वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराने वाली टीम को बरकरार रखा

सेंट जोन्स। वेस्टइंडीज ने भारत में 16 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिये कीरोन पोलार्ड की अगुवाई में उसी 16 सदस्यीय टीम का चयन किया है जिसने घरेलू धरती पर इंग्लैंड को हराया।

तीनों टी20 मैच 16, 18 और 20 फरवरी को कोलकाता में खेले जाएंगे। इससे पहले अहमदाबाद में छह, नौ और 11 फरवरी को तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। वेस्टइंडीज पोलार्ड की अगुवाई में पहले ही वनडे टीम घोषित कर चुका है।

पोलार्ड, फैबियन एलेन, डैरेन ब्रावो, जैसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरण, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ और हेडन वॉल्श जूनियर सीमित ओवरों की दोनों टीम में शामिल हैं।

शिमरोन हेटमायर को फिर से फिटनेस के आधार पर टीम में नहीं चुना गया। इस महीने के शुरू में वेस्टइंडीज के मुख्य कोच फिल सिमन्स ने फिटनेस के प्रति हेटमायर के रवैये पर नाखुशी जाहिर की थी।

मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, ''टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया और हमने इसी टीम के साथ बने रहने का फैसला किया है। उन्होंने गजब का कौशल और जज्बा दिखाया और हमें भारत में उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद है।''

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला 3-2 से जीती। वेस्टइंडीज की टी20 टीम इस प्रकार है = कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरण (उपकप्तान), फैबियन एलन, डैरेन ब्रावो, रोस्टन चेज, शेल्डन कॉटरेल, डोमिनिक ड्रेक्स, जैसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, काइल मेयर्स, हेडन वॉल्श जूनियर।

सचिन और लक्ष्मण ने रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर राफेल नडाल को दी बधाई

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण ने रविवार को रिकॉर्ड 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर स्पेन के दिग्गज टेनिस स्टार राफेल नडाल को बधाई दी है।

रॉड लेवर एरिना पर नडाल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताबी मुकाबले में रूस के डेनियल मेदवेदेव को 2-6, 6-7(5), 6-4, 6-4, 7-5 से हराकर अपना 21वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस खिताबी जीत के साथ ही नडाल ने रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। फेडरर और जोकोविच ने 20-20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।

सचिन ने ट्वीट किया, यह बिल्कुल आश्चर्यजनक और शानदार है। 2 सेट से पिछड़ने के बाद बेहतरीन वापसी कर अपना 21 वां ग्रैंड स्लैम जीतना अविश्वसनीय है। बधाई राफेल नडाल।

भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने भी नडाल के ऐतिहासिक जीत पर उन्हें बधाई दी है। लक्ष्मण ने ट्वीट किया, 2 सेट से, वापसी करना और भव्य शैली में जीतना एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

रिकी पोंटिंग ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा का किया समर्थन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा का समर्थन किया है।

आईसीसी की वेबसाइट ने पोंटिंग के हवाले से कहा, मैं मुंबई इंडियंस में था जब रोहित शर्मा ने वहां कप्तानी संभाली थी। मुझे उनका कप्तान बनने के लिए नीलामी में खरीदा गया था और दुर्भाग्य से, मैं पहले कुछ मैचों के बाद खुद को टीम में बनाए रखने में असफल रहा, इसलिए मुझे एक और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को टीम में आने के लिए जगह बनानी पड़ी।

पोंटिंग ने आगे कहा, मालिक और टीम प्रबंधन जानना चाहते थे कि मुंबई इंडियंस में नेतृत्व संभालने के लिए मेरे विचार से कौन उपयुक्त खिलाड़ी होगा। मालिकों और अन्य कोचों द्वारा कुछ नाम दिये गए। लेकिन यह वास्तव में मेरे लिए स्पष्ट था कि केवल एक ही खिलाड़ी टीम का नेतृत्व कर सकता था और वह एक युवा लड़का था, जिसका नाम रोहित शर्मा था।

रोहित हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला से चूक गए थे, लेकिन अब वह ठीक हो गए हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सफेद गेंद की श्रृंखला में टीम का नेतृत्व करेंगे।

पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि कप्तान बनने के बाद से रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए जो किया है, उसका परिणाम सबके सामने है। वह एक बहुत ही सफल कप्तान रहे हैं और उन्होंने कुछ मौकों पर भारत का नेतृत्व भी किया है। रोहित ने पिछले 2-3 वर्षों में टेस्ट क्रिकेट के साथ जो किया है, उसके बाद बहस करना काफी कठिन है। हम सभी जानते हैं कि रोहित एक सफेद गेंद के खिलाड़ी के रूप में कितने अच्छे हैं।

उन्होंने कहा, ÷ भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान किये नियुक्त करना है, यह फैसला बीसीसीआई करेगा, जहां तक मेरा सवाल है तो मैं टेस्ट कप्तान के लिए रोहित के साथ जाना चाहूंगा।

अजिंक्य रहाणे और केएल राहुल के बारे में आगे बात करते हुए, पोंटिंग ने कहा, ÷ईमानदारी से कहूं तो, मैंने अजिंक्य के साथ काम किया है - वह सिर्फ एक महान व्यक्ति ही नहीं बल्कि एक अच्छा खिलाड़ी भी है। हालांकि अभी वह बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पा रहा है, लेकिन टेस्ट में, हमने देखा कि वह पिछली गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में एक कप्तान के रूप में क्या कर सकता है।

उन्होंने आगे कहा, मैं केएल राहुल को अच्छी तरह से नहीं जानता। मैंने उनके बारे में सभी रिपोर्टें सुनी हैं कि वह एक शानदार व्यक्ति हैं, और अच्छा खेल रहे हैं। वास्तव में वह एक अच्छा टेस्ट रिकॉर्ड बनाना शुरू कर रहे हैं, खासकर विदेशों में। जो प्रभावशाली है।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से मिली हार के बाद भारतीय टेस्ट टीम के कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया था। पिछले साल, 33 वर्षीय कोहली ने टी-20 टीम की भी कप्तानी छोड़ दी थी और फिर चयनकर्ताओं ने एकदिनी टीम के कप्तानी पद से भी हटा दिया था।

पीएसएल: लाहौर ने कराची और इस्लामाबाद ने पेशावर को हराया

कराची। फखर जमां के पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पहले शतक की मदद से लाहौर कलंदर्स ने कराची किंग्स को छह विकेट से हराया जबकि एक अन्य मैच में इस्लामाबाद यूनाईटेड ने पेशावर जल्मी को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

बायें हाथ के बल्लेबाज फखर ने 60 गेंदों पर 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 106 रन बनाये जिससे लाहौर ने चार विकेट पर 174 रन बनाकर जीत दर्ज की। कराची की यह लगातार तीसरी हार है।

कराची के कप्तान बाबर जमां ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और उनकी टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 170 रन बनाये। शार्जील खान ने उसकी तरफ से सर्वाधिक 60 रन का योगदान दिया।

इससे पहले एक अन्य मैच में पेशावर की टीम ने शेरफेन रदरफोर्ड के नाबाद 70 रन के बावजूद छह विकेट पर 168 रन बनाये। इसके जवाब में इस्लामाबाद ने 15.5 ओवर में एक विकेट पर 172 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसकी तरफ से एलेक्स हेल्स (नाबाद 82) और पॉल स्टर्लिंग (57) ने पहले विकेट के लिये 9.4 ओवर में 112 रन जोड़कर जीत की नींव रखी।

भारत मंगलवार को फिर उसी मैदान पर चीन से खेलेगा।